नई सोच • नई शुरूआत • नया भारत

अनप्लग इंडिया

सच की आवाज, भारत की पहचान

नोएडा एनसीआर संस्करण

वर्ष : 01 | अंक : 49 | नोएडा, वीरवार, 19 नवम्बर, 2026 | Website: www.unplugindia.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 03 रुपए

आज का विचार

'सपने वो नहीं जो हम सोते हुए देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।'

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

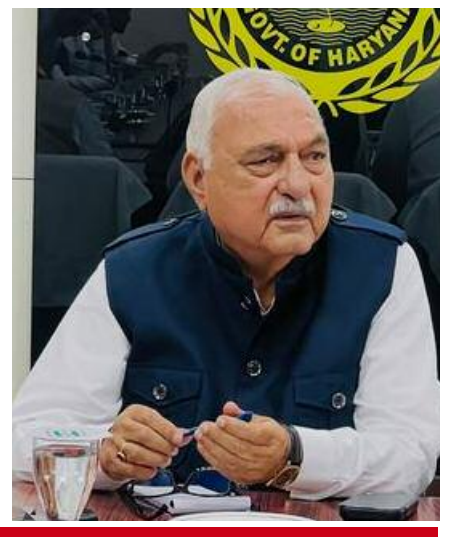

अमेरिका में राहुल बोले-आर्थिक संकट की कगार पर भारत

कहा-बेरोजगारी और एजुकेशन सिस्टम भी है बड़ी समस्या नितिन नवीन बोले- इकोनॉमी नहीं, उनकी सोच है डिजास्टर



न्यूयॉर्क/नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने कहा है कि भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। इसके पीछे बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी खामियां हैं। युवाओं में बढ़ती निराशा की मुख्य वजह यह है कि उन्हें अपना भविष्य नजर नहीं आता। राहुल गांधी ने यह बात बुधवार को न्यूयॉर्क में छात्रों और फैकल्टी के सामने कही। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा, 'राहुल विदेश में जाकर भारत की छवि खराब करते हैं। वो भारत की इकोनॉमी को डिजास्टर बताते हैं, लेकिन भारत नहीं उनकी सोच डिजास्टर है।'

वोटों के अंतर को बताया असंभव

राहुल ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कहा, 'अचानक 5 लाख वोटों का मार्जिन मिल जाना संभव नहीं है। चुनावी नतीजों और वोटों के आंकड़ों को लेकर हमारी पार्टी (कांग्रेस) के पास कई सवाल हैं। हमारे पास चुनावी धांधली के कई सबूत हैं। इन्हें सामने लाने के लिए हम काम कर रहे हैं।' राहुल ने कहा, 'हमारा मकसद देश की चुनावी व्यवस्था को फिर से दुरुस्त करना है।

आर्मी के सीनियर ऑफीसर्स की फिर से बदलेगी ड्रेस

1 दिसंबर से गोरखा हैट, मैरून-ब्लैक बेरेट और रेजिमेंटल पहचान फिर लौटेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने वरिष्ठ अफसरों की ड्रेस में 2023 में किए बदलाव वापस लेने का फैसला किया है। यह आदेश 1 दिसंबर से लागू होगा। 13 नवंबर के पत्र पर आधारित आंतरिक आदेश के मुताबिक, गोरखा राइफल्स के जनरल फिर अपनी पहचान वाली हैट पहन सकेंगे। स्पेशल फोर्सेज के वरिष्ठ अफसर मैरून बेरेट और बख्तरबंद रेजिमेंट के अफसर ब्लैक बेरेट पहन सकेंगे। वरिष्ठ अफसर अधिकृत वर्दी के साथ अपनी पारंपरिक रेजिमेंट या कोर से जुड़े चिन्ह भी लगा सकेंगे। यह बदलाव ब्रिगेडियर और उससे ऊपर के अफसरों पर लागू होगा। 2023 में सेना ने वरिष्ठ नेतृत्व के लिए एक जैसी पहचान बनाने के लिए वर्दी के कई सामान एक जैसे कर दिए थे। उस नीति में अफसरों की मूल रेजिमेंट और सर्विस की पहचान दिखाने वाले चिन्ह हटा दिए गए थे।



पिछले हफ्ते एनएसजी कमांडो की यूनिफॉर्म बदलने का फैसला हुआ था- ब्लैक कैट कमांडो की मशहूर काली वर्दी अब बदलने जा रही है। वजह है- भयंकर गर्मी। नेशनल सिक्योरिटी गार्ड ने अपने वीआईपी सुरक्षा में लगे कमांडो के लिए नई ब्रीदेबल यानी सांस लेने वाली यूनिफॉर्म बनाने की सिफारिश की है। ये यूनिफॉर्म नायको कपड़े से बनेगी, जिसमें नायलॉन और कॉटन होता है। यह कपड़ा हवा और नमी को आसानी से बाहर निकलने देता है। अप्रैल में विजयवाड़ा में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा में तैनात कमांडो करीब 44 डिग्री तापमान में बेहोश हो गया था। इसके बाद ही यह फैसला लिया गया। एनएसजी को उम्मीद है कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा तक कमांडो नई यूनिफॉर्म पहनने लगेंगे।

इसी साल भारतीय फौज की फॉर्मल ड्रेस में बंदी जैकेट शामिल हुई

इसी साल जून में भारतीय सेना ने 174 पेज की नई 'आर्मी यूनिफॉर्म-2026' बुक में कॉलोनियल एरा के नियमों में भी बदलाव किया था। नए नियमों में रिव्यूइंग ऑफिसर के लिए परेड में तलवार रखना वैकल्पिक कर दिया गया है। वहीं, कुछ मैस ड्रेस के साथ इस्तेमाल होने वाली पाउच बेल्ट हटाई गई है। इसके साथ ही रॉयल जैसे पुराने शब्दों का इस्तेमाल बंद किया गया है। पहली बार फॉर्मल सिविल ड्रेस में स्वदेशी बंदी जैकेट को भी शामिल किया गया है। बंद गले वाली बंदी जैकेट को फुल स्लीव शर्ट, फॉर्मल ट्राउजर और बंद जूतों के साथ पहना जा सकेगा। सेना इससे पहले फरवरी 2023 में भी कई पुरानी परंपराएं खत्म कर चुकी है। इनमें समारोहों में घोड़ा-गाड़ी का इस्तेमाल, रिटायरमेंट के दौरान 'पुल आउट' इवेंट और डिनर में पाइप बैंड की परंपरा शामिल थी।

कुलगाम हमले का आरोपी आखिरी आतंकी भी ढेर

फोर्स की एक जॉइंट टीम ने लतीफ भट का किया एनकाउंटर



नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के कुलगाम में 11 नवंबर को सीआरपीएफ की पेट्रोलिंग टीम पर हमला करने वाला आतंकी लतीफ भट एनकाउंटर में ढेर हो गया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, लतीफ जिस मस्जिद में छिपा था वहां से जैसे ही वह बाहर आया तो सुरक्षाबलों ने उसे मार गिराया। बुधवार सुबह से ही खुफिया जानकारी के आधार पुलिस, सेना और पैरामिलिट्री फोर्स का संयुक्त ऑपरेशन कुलगाम जिले के देवसर में जंगलपोरा गांव में चल रहा था। सुरक्षाबलों ने लतीफ को इस इलाके में घेर लिया था, जिसके बाद उसने इलाके में स्थित एक मस्जिद में शरण ले ली।

सुरक्षाबलों को डेडबॉडी के पास मिला हथियार

कश्मीर जोन पुलिस की ओर से इस एनकाउंटर से जुड़ी जो जानकारी साझा की गई है उसमें बताया गया है कि जिस जगह मुठभेड़ चल रही थी वहां एक आतंकी को मार गिराया गया है। सुरक्षाबलों ने आतंकी की डेडबॉडी को रिकवर कर लिया है। उसके पास से एक हथियार भी बरामद हुआ है। बता दें कि लतीफ घाटी में लश्कर का आखिरी लोकल एक्टिव आतंकी था।

लतीफ ने सरेंडर करने से कर दिया था इनकार

इस एनकाउंटर से पहले लतीफ को सरेंडर करने का विकल्प भी मिला था। इंडियन आर्मी के हवाले से सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया गया जिसमें सुरक्षा अधिकारी लतीफ भट से वीडियो कॉल के जरिए सरेंडर करने की अपील कर रहे हैं, लेकिन लतीफ सरेंडर करने से इनकार कर रहा है। अगर तुम सरेंडर कर दोगे तो तुम्हारी जान बख्श दी जाएगी, लेकिन नहीं माना।

नमो भारत आसान करेगी दिल्ली से हरिद्वार-ऋषिकेश का सफर

150 किमी कॉरिडोर का प्राथमिक सर्वे शुरू, खुलेगा नया रास्ता

मेरठ (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर से हरिद्वार और ऋषिकेश जाने वाले लोगों के लिए नमो भारत रैपिड ट्रेन से सफर का रास्ता खुल सकता है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने दिल्ली से हरिद्वार-ऋषिकेश तक नमो भारत कॉरिडोर बनाने की संभावनाओं पर प्राथमिक सर्वे शुरू कर दिया है। करीब 150 किलोमीटर लंबे प्रस्तावित रूट के लिए दो विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। पहला विकल्प मेरठ के मोदीपुरम स्टेशन से दौराला, खतौली, मुजफ्फरनगर और रुड़की होते हुए हरिद्वार-ऋषिकेश तक ट्रेन पहुंचाने का है। वहीं, दूसरे विकल्प में मोदीनगर से गंगनहर पटरी के रास्ते सीधे रुड़की और हरिद्वार होते हुए ऋषिकेश तक अलग कॉरिडोर बनाने की संभावना तलाशी जा रही है। इसके लिए एनसीआरटीसी ने सिंचाई विभाग से गंगनहर पटरी मार्ग से जुड़ी जानकारी मांगी है। हालांकि, अभी यह योजना शुरुआती स्तर पर है और अंतिम रूट डीपीआर बनने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

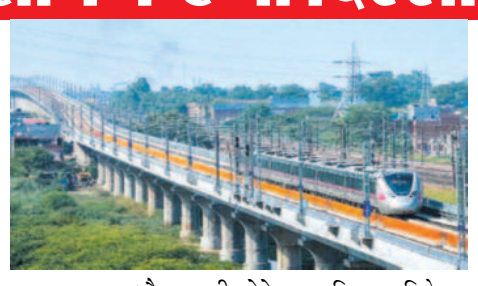

मोदीपुरम से हरिद्वार तक रूट जोड़ने की तैयारी- दिल्ली के सराय काले खां से मेरठ के मोदीपुरम तक 82 किलोमीटर लंबे नमो भारत रैपिड ट्रेन कॉरिडोर की शुरुआत 22 फरवरी 2026 को हो चुकी है। एनसीआरटीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस कॉरिडोर पर हर महीने करीब 32 लाख लोग यात्रा कर रहे हैं। अब इसी नेटवर्क को हरिद्वार और ऋषिकेश तक विस्तार देने की संभावनाओं पर काम किया जा रहा है। प्रस्तावित योजना के तहत दिल्ली से हरिद्वार और ऋषिकेश तक नमो भारत ट्रेन चलाने का विकल्प तैयार किया जा रहा है।

गंगनहर पटरी से मोदीनगर को जोड़ने पर भी मंथन

हरिद्वार-ऋषिकेश तक नमो भारत ट्रेन पहुंचाने के लिए मोदीपुरम के अलावा गंगनहर पटरी का विकल्प भी सामने आया है। इस विकल्प के तहत मोदीनगर से गंगनहर पटरी के रास्ते सीधे रुड़की, हरिद्वार और ऋषिकेश तक अलग कॉरिडोर बनाने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। इस संबंध में एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने सिंचाई विभाग से तकनीकी पहलुओं पर बातचीत की है। गंगनहर पटरी मार्ग की उपलब्ध जानकारी भी मांगी गई है। हालांकि, अभी जमीन की उपलब्धता या अधिग्रहण को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है।

भारत से 'आकाश' और 'पिनाका' सिस्टम भी खरीदेगा फिलीपींस

नए रक्षा सौदे की है तैयारी, चीन को मिलेगा करारा जवाब

मनीला (एजेंसी)। फिलीपींस के रक्षा मंत्री गिल्बर्टो सी. तेओदोरो जूनियर ने इस महीने कहा था कि भारत के साथ सिर्फ ब्रह्मोस मिसाइल ही नहीं बल्कि एयर डिफेंस सिस्टम और दूसरे कई हथियारों को लेकर भी उनका देश समझौता करना चाहता है। अब दोनों देशों के बीच अपनी डिफेंस पार्टनरशिप को विस्तार देने के लिए तेज रफ्तार से बातचीत चल रही है। फिलीपींस भारत से और ब्रह्मोस मिसाइलें खरीदने के अलावा आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर, हेलीकॉप्टर और अंतरिक्ष सहयोग को लेकर बातचीत कर रहा है।



भुगतान के लिए नये तरीकों पर चल रही बातचीत

फिलीपींस भारत से ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों की कम से कम 6 और बैटरी खरीदने पर विचार कर रहा है। फर्स्टपोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक इनमें से कई प्रस्तावों पर बातचीत एडवांस स्तर तक पहुंच चुकी है।

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हजारों उम्मीदवारों को बड़ी राहत

25 साल बाद एमपी में खत्म हुआ दो बच्चों वाला नियम

स्पेशल कैबिनेट मीटिंग में सिविल सेवा नियम में संशोधन को मंजूरी

भोपाल (एजेंसी) मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों के लिए बड़ी खबर है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ के बाद एमपी सरकार ने भर्तियों में दो बच्चों की पाबंदी वाला नियम खत्म कर दिया है, जो 25 साल से लागू था। बुधवार को हुई स्पेशल कैबिनेट बैठक में जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के सिविल सेवा नियम, 1961 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद अब तीसरा बच्चा होने पर न तो किसी सरकारी कर्मचारी की नौकरी जाएगी और नही नई भर्तियों में तीन बच्चों वाले उम्मीदवारों को अयोग्य माना जाएगा। मध्य प्रदेश की सरकारी भर्तियों में दो बच्चों की पाबंदी वाला नियम 26 जनवरी 2001 के बाद से लागू था। तत्कालीन दिग्विजय सरकार ने इस नियम को जनसंख्या नियंत्रण को बढ़ावा देने के लिए लागू किया था।





सुप्रीम कोर्ट और एमपी कोर्ट ने सरकार से किए थे सवाल

हाल के कुछ वर्षों में सरकारी भर्तियों में टू-चाइल्ड पॉलिसी को व्यक्तिगत स्वतंत्रता के हनन के रूप में देखा जा रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने इसकी प्रासंगिकता पर टिप्पणी की थी और एमपी कोर्ट ने भी नौकरी लगने के बाद तीसरा बच्चा होने पर नियम लागू होने को लेकर सरकार से सवाल किए थे। हाल ही में इस नियम को हटाने में तब तेजी आई जब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने घटती जनसंख्या पर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि भारत में प्रजनन दर 2.1 है, लेकिन समाज के अस्तित्व को बनाए रखने के लिए 3 बच्चों का होना जरूरी है।

राजस्थान और छत्तीसगढ़ में लागू था नियम

मध्य प्रदेश अकेले ऐसा राज्य नहीं है, जहां सरकारी नौकरियों में दो बच्चों की पाबंदी वाला नियम लागू था। राजस्थान सरकार ने इसे साल 2016 और छत्तीसगढ़ सरकार ने इसे 2017 में खत्म कर दिया था। वहीं आंध्र प्रदेश ने तीसरे बच्चे पर 25000 रुपये के प्रोत्साहन राशि देने की भी घोषणा की है। टू-चाइल्ड पॉलिसी के चलते हजारों कर्मचारियों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। स्कूल, कॉलेज और मेडिकल कॉलेजों के सरकारी कर्मचारियों के 8 से 10 हजार मामले तीसरी संतान को लेकर विभागीय जांच और अनुशासनात्मक कार्रवाई के दायरे में थे, जिन्हें अब बंद कर दिया जाएगा। हालांकि, सरकार ने साफ कर दिया है कि इस नियम के चलते जिन कर्मचारियों की नौकरी जा चुकी है या कार्रवाई में आखिरी फैसला हो चुका है, उन्हें वापस नहीं लाया जाएगा। यानी सेवा से बाहर चुके सरकारी कर्मचारियों को कोई राहत नहीं मिलेगी।

भोपाल के वैज्ञानिकों ने बनाई देश की पहली स्वदेशी वैक्सीन

बर्ड फ्लू के खतरनाक वायरस से बचेंगी मुर्गियां व पोल्ट्री उद्योग एमपी के लिए बड़ी उपलब्धि, एक डोज छह महीने करेगा सुरक्षा

भोपाल (एजेंसी)। बर्ड फ्लू के खतरनाक वायरस एच5एन1 से मुर्गियों और पोल्ट्री उद्योग को बचाने के लिए भोपाल के वैज्ञानिकों ने देश का पहला स्वदेशी टीका विकसित किया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान ने यह टीका वायरस के क्लेड 2.3.2.1ए के खिलाफ तैयार किया है। इसकी एक खुराक से मुर्गियों को छह महीने तक सुरक्षा मिलेगी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 20 नवंबर को भोपाल स्थित संस्थान परिसर में इसे लॉन्च करेंगे। यह निष्क्रिय टीका है। इसके परीक्षणों में अंडा देने वाली और प्रजनन के लिए पाली जाने वाली मुर्गियों में अच्छे परिणाम मिले हैं। इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से पोल्ट्री फार्मों में लेयर्स और ब्रीडर्स मुर्गियों के टीकाकरण के लिए किया जाएगा। अब तक भारत में इस वायरस स्ट्रेन के खिलाफ व्यावसायिक उपयोग के लिए स्वदेशी टीका उपलब्ध नहीं था।



अंडा देने और प्रजनन के लिए पाली जाने वाली मुर्गियों को ज्यादा फायदा- इस टीके का सबसे ज्यादा फायदा लेयर्स और ब्रीडर्स मुर्गियों को होगा। लेयर्स का इस्तेमाल अंडा उत्पादन और ब्रीडर्स का इस्तेमाल प्रजनन के लिए किया जाता है। इनका जीवनकाल ब्रॉयलर मुर्गियों से ज्यादा होता है। इसलिए इन्हें लंबे समय तक संक्रमण से बचाना जरूरी है। छह महीने तक सुरक्षा मिलने से बार-बार टीकाकरण की जरूरत भी कम होगी।

इंसानों में संक्रमण का खतरा कम करने में भी मिलेगी मदद- एच5एन1 वायरस इंसानों को भी संक्रमित कर सकता है। संक्रमित पक्षियों के संपर्क में आने से मनुष्यों में संक्रमण फैलने का खतरा रहता है। इससे तेज बुखार, सांस लेने में परेशानी और गंभीर निमोनिया हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक, 2003 से अब तक दुनियाभर में इंसानों में एच5एन1 संक्रमण के 1,003 मामले सामने आए हैं। इनमें 479 लोगों की मौत हुई है। मुर्गियों में संक्रमण रोकने से वायरस के प्रसार का खतरा कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, इसके लिए नियमित निगरानी, फार्मों में जैव सुरक्षा और संक्रमित पक्षियों से दूरी बनाए रखना भी जरूरी होगा।

दूसरे देशों के टीके भारतीय वायरस के लिए कारगर नहीं थे

चीन, मिस्र और वियतनाम जैसे देशों में भी बर्ड फ्लू के टीके विकसित किए गए हैं। हालांकि, ये वहां पाए जाने वाले वायरस के अलग-अलग क्लेड के आधार पर तैयार किए गए हैं। भारत में एच5 एन1 का क्लेड 2.3.2.1ए मुर्गियों के लिए गंभीर चुनौती रहा है। भोपाल के वैज्ञानिकों ने इसी वायरस स्ट्रेन को ध्यान में रखकर स्वदेशी टीका तैयार किया है। इस टीके का इस्तेमाल व्यावसायिक पोल्ट्री फार्मों में चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। तय मानकों के अनुसार पशु चिकित्सकों और प्रशिक्षित कर्मचारियों की देखरेख में मुर्गियों को इसकी खुराक दी जाएगी। इसका उद्देश्य बर्ड फ्लू के संक्रमण को रोकना और पोल्ट्री उद्योग को होने वाले आर्थिक नुकसान को कम करना है।

पीयूसी जांच केंद्रों को आधुनिक बनाने के लिए पांच करोड़ मंजूर

दिल्ली में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है।

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली कैबिनेट ने लगभग 500 प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र (पीयूसी) जांच केंद्रों को आधुनिक बनाने के लिए 5 करोड़ की योजना को मंजूरी दी है। इसके तहत पात्र केंद्रों को 1-1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।यह फैसला मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। स्वच्छ हवा सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक बुनियादी ढांचा, पारदर्शी जांच प्रक्रिया और प्रभावी निगरानी व्यवस्था बेहद जरूरी है। वाहन प्रदूषण की जांच करने वाले केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने और उनकी कार्यप्रणाली में एकरूपता लाने से प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को मजबूती मिलेगी। सरकार का प्रयास है कि पीयूसी जांच व्यवस्था अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और विश्वसनीय बने।



परिवहन विभाग के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल, सीएनजी और डीजल वाहनों की प्रदूषण जांच के लिए लगभग 827 अधिकृत पीयूसी केंद्र करीब 500 स्थानों पर संचालित हैं। ये केंद्र वाहनों के उत्सर्जन की जांच कर प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) जारी करते हैं। लेकिन, इनके असंगठित विकास के कारण बुनियादी ढांचे, जांच सुविधाओं, साइनबोर्ड, बाहरी स्वरूप और निगरानी व्यवस्था में एकरूपता की कमी है, जिससे निगरानी करना मुश्किल होता है। पर्याप्त सीसीटीवी व्यवस्था नहीं होने से गलत तरीके से पीयूसीसी जारी करने और अन्य अनियमितताओं के आरोप लगते हैं। इस योजना का उद्देश्य इन कमियों को दूर कर सभी अधिकृत पीयूसी केंद्रों को एकसमान निर्धारित मानकों के अनुरूप विकसित करना और जांच व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाना है। जिन पीयूसी केंद्रों पर तीनों प्रकार के वाहनों की जांच हो रही है, तकनीकी तौर पर उसे एक ही माना गया है। योजना के तहत प्रत्येक पात्र स्थान के लिए एक लाख रुपये की एकमुश्त वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है। इस राशि का उपयोग केवल परिवहन विभाग द्वारा निर्धारित और स्वीकृत कार्यों के लिए किया जा सकेगा। इसमें मुख्य रूप से पांच तरह के कार्य शामिल हैं। सहायता राशि से पीयूसी केंद्रों के केबिन और वाहन प्रदूषण जांच की सुविधाओं का निर्माण एवं अपग्रेडेशन किया जाएगा। इसके अलावा, केंद्रों के बाहरी स्वरूप (फसाड) और साइनबोर्ड को बेहतर बनाया जाएगा ताकि सभी केंद्रों की पहचान और स्वरूप एक समान हो। जांच क्षेत्र (टेस्टिंग एरिया) के लेआउट और अन्य बुनियादी सुविधाओं में सुधार किया जाएगा। केंद्रों में नए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे या पुराने कैमरों को अपग्रेड किया जाएगा, ताकि जांच प्रक्रिया पर बेहतर निगरानी रखी जा सके। योजना के तहत पीयूसी केंद्रों के आधुनिकीकरण के लिए एक समान मानक निर्धारित किए गए हैं। सभी लाभार्थी केंद्रों के केबिन और जांच सुविधाओं का डिजाइन परिवहन विभाग द्वारा स्वीकृत मानक डिजाइन और तकनीकी विशिष्टताओं के अनुरूप होना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, केंद्रों के बुनियादी ढांचे, साइनबोर्ड, बाहरी स्वरूप और सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था के लिए निर्धारित मानकों का भी पालन करना होगा। इस योजना का लाभ केवल दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग से मान्यता प्राप्त और निर्धारित शर्तें पूरी करने वाले पीयूसी केंद्रों को मिलेगा। केंद्रों को इस राशि का इस्तेमाल केवल स्वीकृत किए गए कार्यों पर करना होगा।

दिल्ली महिला आयोग ने शिकायतों के पंजीकरण के लिए वॉट्सऐप नंबर किया जारी

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग ने आज महिलाओं की लिखित शिकायतों के पंजीकरण की प्रक्रिया को अधिक सुलभ एवं सुविधाजनक बनाने के लिए वॉट्सऐप नंबर 9217722609 जारी किया गया है। यह जानकारी एक विज्ञप्ति के जरिए दी गई। इस सुविधा के माध्यम से महिलाओं को अपनी लिखित शिकायतें सीधे वॉट्सऐप के जरिए दिल्ली महिला आयोग तक पहुंचाने के लिए एक अतिरिक्त डिजिटल माध्यम उपलब्ध कराया गया है। आयोग सभी महिलाओं से अपील करता है कि वे अपनी लिखित शिकायतों के पंजीकरण के लिए वॉट्सऐप नंबर 9217722609 का उपयोग कर सकती हैं।



ज्वाला नगर में इमारत गिरने से दो लोगों की मौत

आआपा नेताओं ने घायलों का जाना हाल

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा स्थित ज्वाला नगर में एक इमारत ढहने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। हादसे के बाद आम आदमी पार्टी (आआपा) के प्रतिनिधिमंडल ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना। इस दौरान पार्टी नेताओं ने दिल्ली सरकार और नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए घटना की उच्चस्तरीय जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।



एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि दिल्ली में इमारतों के गिरने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। उन्होंने अवैध निर्माण और जर्जर इमारतों की पहचान कर उन पर कार्रवाई करने की जिम्मेदारी निभाने वाले अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने मांग की कि हादसे की निष्पक्ष जांच कर भवन मालिक और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।

एमसीडी में सह-प्रभारी प्रवीण कुमार ने कहा कि पिछले एक साल में कई इमारतें गिरने की घटनाएं सामने आई हैं, लेकिन इनसे सबक नहीं लिया गया। उन्होंने सत्य निकेतन, सैदुल्लाजाब, चावड़ी बाजार और सीमापुरी की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि दिल्ली में निर्माण कार्यों की निगरानी और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने की जरूरत है। उन्होंने ग्रैप-3 लागू होने के बावजूद निर्माण कार्य जारी रहने पर भी सवाल उठाए।

दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र 18 दिसंबर से 23 दिसंबर तक

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र 18 दिसंबर से 23 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में आयोजित कैबिनेट की बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।



मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सत्र के दौरान दिल्ली के विकास और जनोपयोगी योजनाओं से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर एवं सार्थक चर्चा की जाएगी। सरकार जनहित सर्वोपरि रखते हुए आवश्यक निर्णय लेने और उन्हें प्रभावी रूप से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले आज मुख्यमंत्री ने उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू से मुलाकात करके 18 दिसंबर से प्रारंभ हो रहे विधानसभा के शीतकालीन सत्र सहित राजधानी के विकास, जनहित और भविष्य की प्राथमिकताओं से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप दिल्ली को आधुनिक सुविधाओं, सुदृढ़ बुनियादी ढांचे और बेहतर जीवन स्तर वाली विश्वस्तरीय राजधानी बनाना हमारा लक्ष्य है। इसी दिशा में सभी के सहयोग एवं समन्वय से दिल्ली के विकास को नई गति देने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

गोपाष्टमी गौमाता की रक्षा के लिए प्राणों का बलिदान देने वालों को याद करने का अवसर भी : विजेंद्र गुप्ता

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि गोपाष्टमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं है, बल्कि यह गोमाता की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले लोगों को याद करने का अवसर भी है।गुप्ता ने मयूर विहार फेज-1 में गोपाष्टमी के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गोमाता के प्रति श्रद्धा केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक पहचान, आध्यात्मिक परंपराओं और सभ्यतागत विरासत के साथ हमारे गहरे संबंध को भी प्रतिबिंबित करती है। सात नवंबर 1966 की घटनाओं का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि इस वर्ष की गोपाष्टमी का विशेष ऐतिहासिक महत्व है, क्योंकि यह संसद के निकट गोहत्या पर देशव्यापी प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर हुए आंदोलन के छह दशक पूरे होने का अवसर है। उन्होंने कहा कि गोरक्षा के उद्देश्य से संघर्ष करते हुए संत-महात्माओं को कारावास, कानूनी कार्यवाहियों और अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, 'जब-जब समाज के समक्ष उसके गहरे मूल्यों और मान्यताओं को लेकर चुनौती उत्पन्न हुई है, तब-तब संतों और आध्यात्मिक गुरुओं ने असाधारण व्यक्तिगत त्याग और बलिदान के माध्यम से समाज की सामूहिक चेतना को जागृत किया है। '



एनसीआर में पारा गिरा; वायु गुणवत्ता में सुधार से मिली राहत

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम ने करवट ले ली है। पहाड़ों से आ रही ठंडी हवाओं ने मैदानी इलाकों में ठिठुरन बढ़ा दी है। पिछले कुछ दिनों की तुलना में तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की जा रही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में पारा और नीचे गिरने की संभावना है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान को देखें तो 18 नवंबर से लेकर 23 नवंबर तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, लेकिन औसतन तापमान में कमी आई है। मौसम विभाग से मिले आंकड़ों के मुताबिक 18 नवंबर को अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम 12 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। 19 नवंबर को अधिकतम तापमान गिरकर 26 डिग्री पर आ जाएगा, जबकि न्यूनतम तापमान 12 डिग्री बना रहेगा। 20 नवंबर को दिन का तापमान और गिरेगा, जो 25 डिग्री तक पहुंच सकता है। न्यूनतम तापमान भी 12 डिग्री रहने का अनुमान है। 21 नवंबर को अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। 22 नवंबर और 23 नवंबर को महीने के अंत तक अधिकतम तापमान 24 से 25 डिग्री के आसपास और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री के आसपास स्थिर रहने की उम्मीद है। यानी साफ है कि दिन में धूप निकलने के बावजूद तापमान 24-25 डिग्री से ऊपर नहीं जा रहा है, जिससे दिन में भी हल्की ठंड महसूस हो रही है। वहीं रातें काफी ठंडी हो चुकी हैं।

दिल्ली सरकार ने ट्रांसजेंडर समुदाय को 'आयुष्मान भारत' योजना में किया शामिल

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने ट्रांसजेंडर समुदाय के पात्र लाभार्थियों और उनके परिवारों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के दायरे में शामिल करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया। इस फैसले से दिल्ली के पात्र ट्रांसजेंडर लाभार्थियों को प्रतिवर्ष 10 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर उपलब्ध कराने का रास्ता साफ हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज का कोई भी वर्ग आर्थिक या सामाजिक परिस्थितियों के कारण बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित न रहे। ट्रांसजेंडर



समुदाय को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ने का निर्णय इसी सोच का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इस पहल से समुदाय के लोगों को विभिन्न बीमारियों के इलाज के दौरान आर्थिक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा और वे देशभर के सूचीबद्ध अस्पतालों में कैशलेस इलाज करा सकेंगे। सरकार का प्रयास है कि हर नागरिक को बिना किसी भेदभाव के सम्मानजनक और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के तहत पात्र ट्रांसजेंडर लाभार्थियों के परिवारों को हर साल 10 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर मिलेगा। इसमें अस्पताल में भर्ती होकर कराए जाने वाले विशेषज्ञ और गंभीर बीमारियों के इलाज शामिल होंगे। लाभार्थी देशभर के आयुष्मान भारत योजना से जुड़े अस्पतालों में 27 चिकित्सा विशेषज्ञताओं के तहत 1,961 उपचार पैकेज और प्रक्रियाओं का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस स्वास्थ्य कवर में केंद्र सरकार की आयुष्मान योजना के तहत केंद्र सरकार से मिलने वाले 5 लाख रुपये के कवर और दिल्ली सरकार की ओर से 5 लाख रुपये का अतिरिक्त कवर शामिल है। इस तरह प्रत्येक पात्र परिवार को कुल 10 लाख रुपये का सालाना स्वास्थ्य कवर मिलेगा। सरकार ने इस योजना के तहत दिल्ली में लगभग 5,656 ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को संभावित लाभार्थी के रूप में चिन्हित किया है। यह अनुमान वर्ष 2011 की जनगणना में दर्ज 4,213 ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की संख्या के आधार पर वर्ष 2026 के लिए लगाया गया है। लाभार्थियों की पहचान दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग की प्रमाणित सूची के आधार पर की जाएगी। योजना का लाभ लेने के लिए संबंधित व्यक्ति के पास संबंधित जिले के जिला मजिस्ट्रेट की ओर से जारी वैध ट्रांसजेंडर पहचान प्रमाणपत्र होना अनिवार्य होगा।

नीट-यूजी पेपर लीक मामला

फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने बुधवार को आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर दिया है। कोर्ट ने सभी 14 आरोपियों के खिलाफ सीबीआई द्वारा लगाई गई धाराओं के तहत आरोप तय करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा, कॉपीराइट एक्ट की धारा 63 के तहत भी आरोप तय किए हैं। फास्ट ट्रैक कोर्ट ने यश यादव, मांगीलाल बिवाल, दिनेश बिवाल, विकास बिवाल, शुभम खैरनार, धनंजय लोखंडे, प्रहलाद कुलकर्णी, तेजस हर्षद कुमार, डॉ. मनोज शिरुरे, शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर, मनीषा वाघमारे, मनीषा मंधारे और मनीषा संजय हवालदार के खिलाफ आरोप तय किए हैं। इसके साथ ही कोर्ट ने सभी आरोपियों को 21 नवंबर को कोर्ट में पेश करने का निर्देश दिया है। 21 नवंबर को कोर्ट मामले में आरोपियों के खिलाफ फॉर्मल चार्ज फ्रेम करेगा। कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले में 25 नवंबर से डे-टू-डे ट्रायल की शुरुआत करेगा। सीबीआई ने नीट-यूजी पेपर लीक मामले में 20,000 पन्नों का आरोप-पत्र दाखिल किया है। सीबीआई ने नीट-यूजी पेपर लीक मामले में अपना पहला आरोप-पत्र जुलाई में दाखिल किया था। राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 12 अगस्त को सीबीआई के आरोप-पत्र पर संज्ञान लिया था।

सत्या शर्मा ने की समीक्षा बैठक

जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने निगमायुक्त संजीव खिरवार, अतिरिक्त आयुक्तों तथा सभी जोन के उपायुक्तों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में निगम के विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रगति का जायजा लिया गया और जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। करुणामूलक आधार पर नियुक्ति एवं कर्मचारियों के नियमितीकरण, वायु प्रदूषण पर नियंत्रण, खतरनाक और जर्जर इमारतों के संबंध में कार्रवाई तथा उस्मानपुर एमसीडी स्टाफ क्वार्टर के पुनर्विकास से जुड़े मुद्दे प्रमुख रूप से शामिल रहे। बैठक के दौरान सत्या शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निगम में अनुकंपा नियुक्तियों की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए, ताकि पात्र आश्रितों को अनावश्यक देरी का सामना न करना पड़े। उन्होंने ऐसे आधार पर नियुक्त कर्मचारियों के नियमितीकरण से संबंधित मामलों का भी



प्राथमिकता के साथ निपटारा करने के निर्देश दिए। इस प्रक्रिया की प्रगति की निगरानी के लिए प्रत्येक माह में समीक्षा बैठक आयोजित की जाए, जिससे लंबित मामलों की स्थिति की नियमित समीक्षा हो सके और आवश्यक कार्रवाई समय पर सुनिश्चित की जा सके। वायु प्रदूषण के मुद्दे पर चिंता व्यक्त करते हुए स्थायी समिति अध्यक्ष ने सभी जोन के उपायुक्तों को निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्रों के प्रमुख प्रदूषण हॉटस्पॉट पर विशेष निगरानी रखें। सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर जमा मलबे को समय पर हटाया जाए, ताकि धूल से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने सभी जोन में डीप क्लीनिंग अभियान को और तेज करने तथा निर्माण गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदूषण संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

विजेंद्र गुप्ता ने राष्ट्र निर्माण में मूल्य आधारित शिक्षा के महत्व पर दिया जोर

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने राष्ट्र निर्माण में मूल्य आधारित शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि नैतिकता, प्रतिबद्धता और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना के बिना प्राप्त ज्ञान का उपयोग विनाशकारी कार्यों में भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि सच्ची शिक्षा का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत सफलता प्राप्त करना नहीं, बल्कि व्यक्ति को राष्ट्र के लिए सार्थक योगदान देने के योग्य बनाना भी है। यह बात उन्होंने सोमवार को ग्लोबल मैत्री फेस्टिवल के अंतर्गत मैत्रीबोध परिवार द्वारा आयोजित ट्रांसफॉर्म भारत समिट को संबोधित करते हुए कही। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान जहां शारीरिक बीमारियों का उपचार करता है, वहीं आध्यात्मिकता मन के द्वंद्व और आंतरिक पीड़ा से बाहर निकलने का मार्ग दिखाती है। उन्होंने मैत्री दादा की सोच और मैत्रीबोध परिवार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समाज के बेहतर निर्माण के लिए व्यक्ति



के संपूर्ण विकास, मूल्य आधारित शिक्षा और युवा नेतृत्व को महत्व देना आवश्यक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान और जानकारी तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसके माध्यम से नैतिकता, संस्कार, चरित्र, अनुशासन और सेवा भाव का भी विकास होना चाहिए।विकसित भारत 2047 के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर बोलते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आज के युवा ही इस राष्ट्रीय संकल्प के वास्तविक लाभार्थी हैं, क्योंकि 2047 में भारत के विकसित राष्ट्र बनने के बाद देश को आगे ले जाने का नेतृत्व और जिम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर होगी। उन्होंने कहा कि इस जिम्मेदारी के लिए युवाओं को आज से ही तैयार होना होगा, ताकि 2047 में भारत के विकसित राष्ट्र बनने तक युवा पीढ़ी देश का नेतृत्व करने में पूरी तरह सक्षम हो। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से युवाओं में राष्ट्र के प्रति समर्पण, देशभक्ति और जिम्मेदारी की भावना विकसित होनी चाहिए, जिससे वे अपने ज्ञान और क्षमता का उपयोग राष्ट्र की प्रगति और समाज के कल्याण के लिए कर सकें।

ट्रेड फेयर में टिकट दिलाने के नाम पर महिला से ठगी, आरोपी गिरफ्तार

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। प्रगति मैदान में आयोजित भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) में टिकट दिलाने के नाम पर एक महिला से ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने 400 रुपये में टिकट दिलाने का झांसा देकर महिला से क्यूआर कोड स्कैन कराया और उनके खाते से 1200 रुपये निकाल लिए। ठगी के तुरंत बाद महिला का आईफोन सिंक होकर लॉक हो गया। शिकायत मिलने पर नई दिल्ली जिला पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मौजपुर निवासी मोहम्मद फैसल (38) के रूप में हुई है।पुलिस के मुताबिक 15 नवंबर को महिला व्यापार मेले में घूमने पहुंची थीं। दोपहर करीब 1:30 बजे वह गेट नंबर चार के पास आधिकारिक मोबाइल ऐप के जरिए ऑनलाइन टिकट खरीदने का प्रयास कर रही थीं। इसी दौरान एक व्यक्ति उनके पास आया और 400 रुपये में टिकट उपलब्ध कराने की बात कही। आरोपी ने महिला को एक क्यूआर कोड दिया। महिला ने जैसे ही कोड स्कैन किया, उनके खाते से 1200 रुपये का भुगतान हो गया। इसके कुछ ही देर बाद महिला का आईफोन सिंक होने लगा और वह फोन का इस्तेमाल नहीं कर सकीं। उन्हें लॉगइन की असफल कोशिश का नोटिफिकेशन भी मिला। पेटीएम खाते से 1200 रुपये कटने का पता चलने पर महिला को ठगी का एहसास हुआ। उन्होंने मौके पर शोर मचाकर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और महिला की पहचान पर आरोपी को पकड़ लिया। इस मामले में प्रगति मैदान स्थित थाना आईआईटीएफ में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

संक्षिप्त डायरी

महिला ने फंदे से लटककर की आत्महत्या

अनप्लग इंडिया

नोएडा। सेक्टर-73 स्थित सफार्बाद गांव में मंगलवार सुबह एक महिला ने आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मौजूदगी में शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से जिला संभल के परियावली गांव निवासी 22 वर्षीय ममता का विवाह कुछ वर्ष पूर्व सोमवीर के साथ हुआ था। ममता का पति एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता है। दोनों सेक्टर-73 स्थित सफार्बाद गांव में एक सोसाइटी के कमरे में किराये पर रहते थे। सोमवीर के साथ छोटा भाई दीपांशु भी रहता है। ममता एक दिन पूर्व ही अपने गांव से नोएडा आई थी। मामा की मौत के चलते सोमवीर गांव गया हुआ था। मंगलवार सुबह देवर दीपांशु किसी काम से बाहर गया। कुछ देर बाद लौटकर आया तो कमरे में ममता फंदे पर लटकी मिली। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खोलकर शव को नीचे उतारा और फॉरेंसिक टीम की मदद से घटना स्थल का निरीक्षण किया। परिजन ने पुलिस को बताया पिछले कुछ समय से ममता मानसिक रूप से तनाव में थी। शुरूआती जांच में आत्महत्या का कारण साफ नहीं हुआ है। पुलिस जांच के बाद आगे की कार्रवाई करेगी।

छेड़छाड़ से तंग आकर किशोरी ने जान दी

अनप्लग इंडिया

नोएडा। फेज-3 थाना क्षेत्र में छेड़छाड़ की घटनाओं से तंग आकर एक किशोरी ने नौ नवंबर को आत्महत्या कर ली। मृतका की मां ने आसपास के कुछ लोगों पर हत्या कर शव को फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से जिला हरदोई की रहने वाली महिला ने पुलिस को बताया कि उसके पति का निधन हो चुका है। वह 14 वर्षीय पुत्री और नौ वर्षीय पुत्र के साथ गढ़ी चौखंडी गांव में किराये पर रहती हैं। वह एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती हैं। नौ नवंबर को उनके पुत्र की तबीयत अचानक बिगड़ गई। वह उसे लेकर पैतृक गांव छोड़ने जा रही थीं। उन्होंने कमरे पर नाबालिग पुत्री को छोड़ दिया था। जब वह पुत्र को लेकर बरेली और शाहजहांपुर के पास पहुंचीं तो पड़ोस में रहने वाले रिश्ते के भतीजे ने फोन पर सूचना दी कि उनकी नाबालिग बेटी को मार डाला है। वापस पहुंचने पर पड़ोसी ने बताया कि एक महिला समेत चार लोगों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी और शव को फंदे पर लटका दिया ताकि हत्या को आत्महत्या का रूप दिया जा सके। पीड़िता के मुताबिक, आरोपी आए दिन उनकी बेटी के साथ जबरदस्ती करते थे और कई बार छेड़छाड़ कर चुके थे। पुलिस का कहना है कि किशोरी ने आत्महत्या की थी। इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हो चुकी है। फिलहाल शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

जिले की बास्केटबॉल टीम का ट्रायल 21 को होगा

एजेंसी

नोएडा। राज्य स्तरीय सीनियर पुरुष बास्केटबॉल चैंपियनशिप के लिए गौतमबुद्ध नगर की टीम के चयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिला स्तरीय चयन के लिए परीक्षण यानी ट्रायल 21 नवंबर को ग्रेटर नोएडा स्थित एक निजी विश्वविद्यालय के बास्केटबॉल कोर्ट में होगा। उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल एसोसिएशन (यूपीबीए) के महासचिव दिलीप सिंह ने बताया कि राज्य स्तरीय सीनियर पुरुष बास्केटबॉल चैंपियनशिप 24 से 30 नवंबर तक बरेली में आयोजित की जाएगी। इसके लिए जिले की सीनियर पुरुष टीम का चयन ट्रायल के माध्यम से किया जाएगा। जिले के इच्छुक और पात्र खिलाड़ी ट्रायल में हिस्सा लेकर टीम में जगह बना सकेंगे। उन्होंने बताया कि चयन प्रक्रिया सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शों के अनुपालन में आयोजित की जा रही है। निदेर्शों के तहत ट्रायल में संबंधित पक्षों की ओर से एक-एक प्रतिनिधि को शामिल किया जाएगा। यूपीबीए ने संबंधित पक्षों से अपने प्रतिनिधि का नाम नामित कर एसोसिएशन को भेजने का अनुरोध किया है। महासचिव ने उम्मीद जताई कि ट्रायल के माध्यम से बेहतर प्रदर्शन करने वाले योग्य खिलाड़ियों का चयन होगा, जो राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में गौतमबुद्धनगर का प्रतिनिधित्व करेंगे।

घर में चोरी करने वाले गिरफ्तार

अनप्लग इंडिया

नोएडा। फेज-3 थाना पुलिस ने मामूरा गांव में पांच दिन पूर्व घर से लाखों के जेवरात चोरी करने वाले दो बदमाशों को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से चोरी का माल भी बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि राजू चौबे ने सोमवार को थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने पुलिस को बताया था कि वह मूलरूप से जिला बलिया के कुसौरा गांव के रहने वाले हैं। वह वर्तमान में मामूरा गांव की गली नंबर-3 में किराये पर रहते हैं। वह एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। 13 नवंबर को वह ऑफिस चले गए थे। पत्नी घर पर अकेली थी। वह दोपहर में करीब दो बजे पत्नी बाजार में खरीदारी करने चली गई थीं। कुछ समय बाद जब वह लौटीं तो कमरे के अंदर सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पता चला कि चोर घर से एक हजार रुपये, सोने का मांग टीका, कान के झाले, अंगूठी, मंगलसूत्र, लॉकेट, कान के इयरिंग, चांदी की पाजेब, बच्चे की पायल, बच्चे के करधन, तीन जोड़ी बिछुआ तथा मोबाइल फोन गायब था। पुलिस ने केस दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी। मंगलवार को पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान आकाश निवासी कासगंज और प्रियांशु निवासी जिला बलिया के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने गढ़ी चौखंडी और जनता फ्लैट में भी चोरी की वारदातें की हैं। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

कमरे से गहने और नकदी चोरी

अनप्लग इंडिया

नोएडा। सेक्टर-113 थानाक्षेत्र के सफार्बाद गांव स्थित एक घर से चोर लाखों रुपये के गहने और नकदी चोरी कर फरार हो गए। जिस समय घटना हुई, पीड़ित परिवार घर से बाहर आया था। चोरी का पता चलने पर मामले की शिकायत संबंधित थाने की पुलिस से की गई। दादरी निवासी अनीता ने बताया कि वह वर्तमान में सफार्बाद गांव में किराये के कमरे में रहती हैं। वह 16 से 19 सितंबर के बीच घर पर नहीं थीं, तभी चोर अंदर दाखिल हुआ। वह तीन जोड़ी चांदी की पायल, दो जोड़ी सोने के झुमके, दो सोने की लॉकेट और एक जोड़ी चांदी की बिछिया चोरी कर ले गया। 15 हजार रुपये भी चोरी हुए। जब अनीता वापस आईं तो कमरे का ताला टूटा था और अंदर सारा सामान बिखरा था। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सरकारी विद्यालयों में अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं शुरू

एजेंसी

नोएडा। जिले के सभी सरकारी स्कूलों में मंगलवार से अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं शुरू हो गईं। सभी स्कूलों में परीक्षाएं शांतिपूर्वक संपन्न हुईं। बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) राहुल पंवार ने बताया कि 21 नवंबर तक परीक्षाएं होंगी। पहले दिन किसी भी स्कूल से कोई शिकायत नहीं मिली है। इन परीक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, विषयों की समझ और अब तक की पढ़ाई का मूल्यांकन किया जाएगा। परीक्षा के परिणामों के आधार पर शिक्षक बच्चों की शैक्षणिक स्थिति का आकलन कर आगे की पढ़ाई की रणनीति तैयार करेंगे। पहले दिन विद्यार्थियों ने हिंदी और संस्कृत विषय की परीक्षा दी। वहीं, कुछ स्कूलों में कक्षा एक और दो के बच्चों ने गणित का पेपर भी दिया।

मकान में लगी आग, बच्चों ने भागकर बचाई जान

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। यहां एक मकान में भीषण आग लगने से इलाके में भारी अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी विकराल थी कि कुछ ही पलों में पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में घर में रखा लाखों रुपये का कीमती सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गया। गनीमत रही कि घटना के समय घर में मौजूद दोनों बच्चों ने समय रहते बाहर भागकर अपनी जान बचा ली, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। बताया जा रहा है कि आग से गैस सिलेंडर में भी आग लग गई। पीड़ित मकान मालिक दया शंकर ने बताया कि वह एयरटेल कंपनी में कार्यरत हैं, जबकि उनकी पत्नी भी एक अन्य कंपनी में नौकरी करती हैं। रोजाना की तरह सुबह करीब नौ बजे दोनों पति-पत्नी अपनी-अपनी ड्यूटी के लिए घर से निकल गए थे। धूमसपुर क्षेत्र स्थित उनके मकान में उनके दो मासूम बच्चे



अकेले थे, जो मुख्य गेट के पास खेल रहे थे। इसी दौरान घर के अंदर अचानक धुआं और आग की लपटें निकलती दिखाई दी। देखते ही देखते चिंगारी ने भीषण आग का रूप ले लिया।

घर के अंदर से धुआं और आग की लपटें निकलती देख गेट के पास खेल रहे दोनों बच्चे सहम गए, लेकिन उन्होंने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत घर से बाहर की ओर दौड़ लगा दी और सुरक्षित बाहर निकल आए। बच्चों के शोर मचाने पर आसपास के पड़ोसी मौके पर जमा हो गए। आग की विकरालता को देखते हुए पूरी कॉलोनी में दहशत और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर पानी और मिट्टी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलती चली गई। स्थानीय निवासियों ने तुरंत इस घटना की सूचना दमकल विभाग और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाडिय़ां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। दमकल कर्मियों की तत्परता के कारण आग आसपास के सटे हुए अन्य मकानों तक नहीं फैल सकी, अन्यथा कॉलोनी में और भी बड़ा नुकसान हो सकता था। आग बुझने के बाद जब घर का मंजर देखा गया तो अंदर सब कुछ जलकर राख हो चुका था। मकान मालिक दया शंकर के अनुसार इस आगजनी में घर का फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कपड़े, नकदी और अन्य जरूरी दस्तावेज पूरी तरह नष्ट हो गए हैं, जिससे उन्हें लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

50 लाख का पैकेज छोड़ सॉफ्टवेयर इंजीनियर अक्षिता बनीं साध्वी

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। यहां मल्टीनेशनल कंपनी फॉक्सवैगन में 50 लाख रुपये सालाना पैकेज पर नौकरी करने वाली 37 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर अक्षिता जैन ने अपनी मां शिरोमणी (61) के साथ दीक्षा दी। अब दोनों मां-बेटी जैन साध्वी बन गई हैं। अक्षिता अब तक फिएट कंपनी, मर्सिडीज बेंज और फॉक्सवैगन जैसी कंपनियों में नौकरी कर चुकी हैं, जबकि उनकी मां इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन में 37 साल नौकरी करने के बाद चीफ मैनेजर के पद से रिटायर हुई हैं। दोनों मां-बेटी पंजाबी हिंदू परिवार से हैं। दीक्षा से पहले मंगलवार को जोधपुर में उनका वरघोड़ा निकाला गया। इसमें जैन समाज के साधु-साध्वियों के साथ बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। अक्षिता की मां शिरोमणी बजाज का जन्म 18 अक्टूबर 1965 को दिल्ली के मोती नगर में हुआ था। उन्होंने बीए और लाइब्रेरी साइंस में बीलिब की डिग्री हासिल की। शिरोमणी ने छह जनवरी 1988 को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन में नौकरी शुरू की थी। 31 अक्टूबर 2025 को चीफ मैनेजर के पद से रिटायर हुईं। इस तरह उन्होंने आईओसीएल में 37 साल से अधिक समय तक सेवाएं दीं। का निधन हो चुका है। उनकी दो बेटियां अक्षिता और आशिमा हैं। आशिमा की शादी हो चुकी है। उनके परिवार में दामाद सिद्धार्थ बजाज और चार साल की नातिन इनायत भी हैं। शिरोमणी का परिवार मूल रूप से दिल्ली का रहने वाला है। वह फिलहाल गुरुग्राम में रह रहा है। अक्षिता जैन (37) गुरुग्राम की रहने वाली हैं। उन्होंने 2013 से 2015 तक गुरुग्राम की नॉर्थकैप यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन में मास्टर डिग्री की। इसके बाद आईआईएम बेंगलुरु से मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन किया। उन्होंने 2015 से 2017 तक फिएट ऑटो में काम किया।

आम्रपाली जोडिएक में गार्डों की हड़ताल से सुरक्षा प्रभावित

अनप्लग इंडिया

नोएडा। सेक्टर-120 स्थित आम्रपाली जोडिएक सोसाइटी में मंगलवार को वेतन की समस्या को लेकर सुरक्षाकर्मियों ने कामकाज बंद कर हड़ताल शुरू कर दी। सभी गार्डों के एक साथ ड्यूटी छोड़ने से सोसाइटी की सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो गई। नाराज गार्ड सुबह गेट नंबर-2 पर धरने पर बैठ गए। दोपहर करीब तीन बजे 25 से 30 गार्ड अपनी मांगों को लेकर श्रम कार्यालय भी पहुंचे। हालांकि, एओए अध्यक्ष के अनुसार शाम तक गार्ड काम पर लौट आए। हड़ताल पर बैठे गार्डों का आरोप था कि उन्हें समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा है। कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। इससे उनके सामने परिवार का खर्च चलाने और आर्थिक जरूरतें पूरी करने में परेशानी आ रही है। गार्डों ने कहा कि जब तक उनका बकाया वेतन नहीं मिलेगा, वे ड्यूटी पर वापस नहीं लौटेंगे। सभी सुरक्षाकर्मियों के काम बंद करने से मुख्य गेट और टावरों की सुरक्षा को लेकर निवासियों की चिंता बढ़ गई। दो किश्तों में मिलता है वेतन, भुगतान भी अधूरा सोसाइटी के निवासियों ने बताया कि गार्डों को हर महीने समय पर वेतन नहीं मिलता। कई बार भुगतान दो किश्तों में किया जाता है। उनका दावा है कि अक्तूबर महीने के वेतन का केवल 25 प्रतिशत भुगतान हुआ है। गार्डों ने समय पर पूरा वेतन देने की मांग की है। मंगलवार सुबह सभी गार्ड गेट नंबर-2 पर एकत्र होकर धरने पर बैठ गए और प्रबंधन के खिलाफ विरोध जताया। शाम को ड्यूटी पर लौटे गार्ड

आम्रपाली जोडिएक के एओए अध्यक्ष केके मिश्रा ने बताया कि सुबह से गार्ड हड़ताल पर बैठे थे, लेकिन शाम होते-होते वे ड्यूटी पर वापस लौट गए। गार्डों की समस्याएं सुनी गईं और उनका समाधान कर दिया गया है।

चार दिन तक रही जलापूर्ति बाधित, ठेकेदार पर एक लाख जुमार्ना

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम,। नगर निगम गुरुग्राम ने पेयजल आपूर्ति में लापरवाही बरतने पर संबंधित ठेकेदार पर एक लाख रुपये जुमार्ना लगाया है। वार्ड-10 की हरि नगर कालोनी में लगातार चार दिनों तक जलापूर्ति बाधित रही। इसी के चलते निगम ने यह सख्त फैसला लिया। मंगलवार को नगर निगम आयुक्त की ओर से यह जानकारी दी गई। नगर निगम द्वारा जारी आदेश के अनुसार निगम क्षेत्र के हरि नगर खांडसा रोड के पास स्थित वार्ड-10 में चार दिनों तक लगातार पानी की आपूर्ति बाधित रही। इस कारण क्षेत्र के निवासियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। इस मामले को नगर निगम आयुक्त ने गंभीरता से लिया। मैसर्स नरेंद्र सिंह कॉन्ट्रेक्टर को नगर निगम



के वार्ड नंबर 9, 10, 16 और 17 में जलापूर्ति नेटवर्क एवं बूस्टिंग स्टेशनों के संचालन और रखरखाव का कार्य सौंपा गया था। इस कार्य के लिए एजेंसी को 24 जुलाई 2026 को स्वीकृति पत्र जारी किया गया था। इसके बावजूद वार्ड-10 के हरि नगर क्षेत्र में लगातार चार दिनों तक जलापूर्ति बाधित रहना एजेंसी के कार्य प्रदर्शन और आवश्यक जनशक्ति की तैनाती को लेकर गंभीर चिंता का विषय पाया गया। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि जलापूर्ति बाधित रहने के दौरान प्रभावित क्षेत्र में पानी के टैंकरों की व्यवस्था भी नहीं की गई। नगर निगम ने जलापूर्ति व्यवस्था के उचित रखरखाव में हुई चूक को गंभीरता से लेते हुए संबंधित एजेंसी पर 1,00,000 रुपये का जुमार्ना लगाया है। साथ ही ठेकेदार को निर्देश दिए गए हैं कि संबंधित वार्ड में जलापूर्ति व्यवस्था का उचित संचालन एवं रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। निगमायुक्त डॉ. पंकज ने कहा कि जुमार्ने की राशि संबंधित एजेंसी के रनिंग बिल से वसूल की जाएगी। इस कार्रवाई से स्पष्ट संदेश दिया गया है कि नागरिकों को पेयजल जैसी आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। संबंधित एजेंसियों को निर्धारित जिम्मेदारियों के अनुसार कार्य करना होगा तथा जलापूर्ति बाधित होने की स्थिति में नागरिकों को वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराने के प्रति भी जवाबदेह रहना होगा।

नूंह: फर्जी बैंक खातों और ऑनलाइन जुए के अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़

अनप्लग इंडिया

नोएडा। नूंह जिले में साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुन्हाना सदर थाना पुलिस और साइबर क्राइम नूंह की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन जुआ और साइबर ठगी के अंतरराज्यीय नेटवर्क का पदार्फाश किया है। पुलिस ने नीमखेड़ा गांव में जमालगढ़ मोड़ के पास दबिश देकर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 45 मोबाइल फोन, 139 एटीएम कार्ड, 20 बैंक पासबुक, 13 चेकबुक, 35 सिम कार्ड और चार लैपटॉप सहित बड़ी संख्या में क्यूआर कोड, आधार कार्ड, पैन कार्ड व अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार जिले में साइबर अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पुन्हाना सदर थाना क्षेत्र में उपनिरीक्षक नंद किशोर के नेतृत्व में पुलिस टीम साइबर अपराधियों की धरपकड़ के लिए जमालगढ़ मोड़ पर मौजूद थी। इसी दौरान टीम को सूचना मिली कि कुछ युवक नीमखेड़ा क्षेत्र में फर्जी बैंक खाते, चेकबुक, एटीएम कार्ड, सिम कार्ड और मोबाइल फोन उपलब्ध कराने के साथ-साथ ऑनलाइन जुए के माध्यम से ठगी का नेटवर्क चला रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने साइबर क्राइम नूंह की टीम के साथ मौके पर दबिश दी। वहां चार युवक मोबाइल फोन पर बातचीत करते हुए लैपटॉप के माध्यम से ऑनलाइन जुआ संचालित करते मिले। पुलिस ने मौके पर ही चारों को काबू कर लिया। उनकी पहचान साजिद निवासी अखनाका, थाना फिरोजपुर झिरका (नूंह), अफरोज निवासी कीडोरे, थाना पहाड़ी, जिला डीग (राजस्थान), फरहान निवासी नजीबपुर खेतासर, थाना टिकैत नगर, जिला बाराबंकी (उत्तर प्रदेश) और जितेश कुमार बैरवा निवासी रानीवास, पोस्ट लाडोती का बास, तहसील नांगल राजावतान, जिला दौसा (राजस्थान) के रूप में हुई है।नक्शे देखें पुलिस द्वारा तलाशी लेने पर मौके से अलग-अलग कंपनियों के 45 मोबाइल फोन, विभिन्न बैंकों के 139 एटीएम कार्ड, 20 बैंक खातों की पासबुक, 13 चेकबुक, 35 सिम कार्ड और चार लैपटॉप बरामद हुए। इसके अलावा बड़ी संख्या में क्यूआर कोड, आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज भी पुलिस ने अपने कब्जे में लिए हैं। बरामद बैंक पासबुक में बिहार ग्रामीण बैंक, जम्मू एंड कश्मीर बैंक, उत्तराखंड ग्रामीण बैंक, तेलंगाना ग्रामीण बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र सहित विभिन्न बैंकों की पासबुक शामिल हैं। लोगों को लालच देकर खुलवाते थे बैंक खाते प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी लोगों को बैंक खाता खुलवाने के बदले पैसों का लालच देते थे। इसके बाद उनके दस्तावेजों के आधार पर बैंक खाते खुलवाकर उनका इस्तेमाल ऑनलाइन साइबर ठगी और ऑनलाइन जुए से प्राप्त रकम के लेन-देन में किया जाता था। आरोपियों के कब्जे से मिले विभिन्न बैंकों के एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक और सिम कार्ड इस नेटवर्क की कार्यप्रणाली की जांच में अहम कड़ी माने जा रहे हैं।

रात के अंधेरे में तीन घोड़ियां ले उड़े चोर, परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट; सीसीटीवी में कैद हुई घटना

अनप्लग इंडिया

नोएडा। विकास घोड़ियों के सहारे अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनके पास तीन घोड़ियां थीं। रविवार रात परिवार के सभी सदस्य घर में सो रहे थे। सुबह जब विकास सोकर उठे तो घोड़ियां गायब मिलीं। नोएडा के फेज तीन थाना क्षेत्र में चोरी की एक घटना में चोर एक व्यक्ति की तीन घोड़ियां चोरी कर ले गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। चोरी हुई घोड़ियों की तलाश के लिए



पुलिस टीम लगाई गई है। जानकारी के मुताबिक, गढ़ी चौखंडी के कृष्णा विहार में रहने वाले विकास घोड़ियों के सहारे अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनके पास तीन घोड़ियां थीं। रविवार रात परिवार के सभी सदस्य घर में सो रहे थे। इसी दौरान चोरों ने मौके का फायदा उठाकर तीनों घोड़ियों को चुरा लिया। सुबह जब विकास सोकर उठे तो घोड़ियां गायब मिलीं। आसपास तलाश करने के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की। एडीसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। घोड़ियों का पता लगाने के लिए पुलिस प्रयास कर रही है।

मयूर विहार से सेक्टर-94 तक फरार्टा भरेंगे वाहन, 20 मीटर ऊंचे एलिवेटेड रोड का रास्ता साफ

अनप्लग इंडिया

नोएडा। प्रस्तावित एलिवेटेड रोड नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे, कालिंदीकुंज मार्ग और दिल्ली मेट्रो की मजेंटा लाइन के ऊपर से गुजरेगा। परियोजना की अनुमानित लागत 342.74 करोड़ रुपये है। नोएडा के मयूर विहार से सेक्टर-94 तक वाहन फरार्टा भरेंगे क्योंकि चिल्ला एलिवेटेड रोड के आगे 3.2 किलोमीटर लंबे छह लेन के एलिवेटेड रोड के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। नोएडा प्राधिकरण ने मंगलवार को निर्माण एजेंसी के चयन के लिए टेंडर जारी कर दिया है और आठ दिसंबर तक आवेदन मांगे हैं। निर्माण शुरू होने के बाद इस परियोजना को पूरा होने में तीन वर्ष लगेंगे। यह 20 मीटर ऊंचा होगा। चार धनुषाकार पुल बनेंगे।



परियोजना की अनुमानित लागत 342.74 करोड़ रुपये है। इस एलिवेटेड रोड के बनने के बाद मयूर विहार से आने वाले वाहन चालक मयूर विहार से महामाया फ्लाईओवर के सामने सेक्टर-38 तक बन रहे चिल्ला एलिवेटेड रोड के जरिये सीधे सेक्टर-94 यमुना पुश्ता रोड तक पहुंच सकेंगे। सेक्टर-95 के पास शाहदरा नाले पर एक लूप भी बनाया जाएगा। इससे नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे से आने वाले वाहन चिल्ला एलिवेटेड रोड पर चढ़कर सीधे डीएनडी, सेक्टर-16ए व मयूर विहार की ओर जा सकेंगे। इससे लाखों वाहन चालकों को महामाया फ्लाईओवर और चिल्ला बॉर्डर लिंक रोड पर लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। नोएडा प्राधिकरण ने मार्च में इस एलिवेटेड रोड के निर्माण की तैयारी शुरू की थी। इसके बाद आईआईटी रुड़की से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करवाई गई। आईआईटी ने अगस्त में डीपीआर तैयार कर प्राधिकरण को सौंप दी थी। इसके बाद लागत का परीक्षण और समिति की मंजूरी मिलने पर अब टेंडर की प्रक्रिया शुरू की गई है। 20 मीटर होगी ऊंचाई, लोहे के धनुषाकार पुल बनेंगे प्रस्तावित एलिवेटेड रोड नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे, कालिंदीकुंज मार्ग और दिल्ली मेट्रो की मजेंटा लाइन के ऊपर से गुजरेगा। इन तीनों स्थानों पर पिलर बनाने की गुंजाइश न होने के कारण यहां स्टील के चार बो-स्ट्रिंग ब्रिज बनाए जाएंगे। ये पुल मजबूती और अधिक भार-क्षमता के लिए ऊपर से धनुष के आकार में मुड़े होते हैं। नजदीक में ओखला पक्षी विहार होने के कारण ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए मार्ग पर साउंड बैरियर भी लगाए जाएंगे। आईआईटी के आकलन के अनुसार, मजेंटा लाइन मेट्रो की हाईटेंशन लाइन 17 मीटर ऊंची है, इसलिए एलिवेटेड रोड को इससे तीन मीटर ऊपर यानी 20 मीटर की ऊंचाई से गुजारा जाएगा। इसके साथ ही बीच से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को भी ऊंचा कराया जाएगा। अभी तक शहर में बने दो एलिवेटेड रोड (नोएडा और भंगेल) की ऊंचाई लगभग 10 मीटर है। भविष्य की योजनाएं और विस्तार प्रस्तावित एलिवेटेड रोड सेक्टर-38 के सामने चिल्ला एलिवेटेड रोड से जुड़ेगा। यह यमुना पुश्ता से सेक्टर-94 में और नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे से सेक्टर-95 में भी जुड़ेगा। उधर, एनएचएआई सेक्टर-94 से यमुना सिटी तक 50 किलोमीटर लंबे कालिंदीकुंज-नोएडा एयरपोर्ट एलिवेटेड एक्सप्रेसवे की डीपीआर तैयार कर रहा है। इस राष्ट्रीय राजमार्ग के बनने से दिल्ली के मयूर विहार से नोएडा एयरपोर्ट तक सीधी एलिवेटेड कनेक्टिविटी मिल जाएगी। एलिवेटेड रोड की डीपीआर आईआईटी से तैयार करवाकर प्राधिकरण ने निर्माण एजेंसी के चयन के लिए टेंडर जारी किया है। यह परियोजना प्राधिकरण की प्राथमिकता में शामिल है। नए एलिवेटेड रोड के बनने से क्षेत्र की कनेक्टिविटी और बेहतर होगी।

संपादकीय

विदेशी सोशल मीडिया पर अंकुश है जरूरी

पिछले कुछ वर्षों में दुनिया ने कई देशों में सत्ता परिवर्तन देखे हैं, जिनमें बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल प्रमुख हैं। इन देशों में हुए सत्ता परिवर्तनों में एक बात समान थी- सार्वजनिक विरोध-प्रदर्शन, जिन्हें सोशल मीडिया के जरिए और हवा मिली। इन देशों में नागरिकों को उद्वेलित करने मे सोशल मीडिया ने अहम भूमिका निभाई। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता



कि सोशल मीडिया के एल्गोरिदम ने इन चर्चाओं को और तेज कर दिया। श्रीलंका में, इन विरोध-प्रदर्शनों के कारण अंततः राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को इस्तीफा देना पड़ा। बांग्लादेश में, चुनी हुई प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। नेपाल का 'जेन-जी' आंदोलन भी इससे कुछ अलग नहीं था। वहां भी, सोशल मीडिया ने खराब शासन, भ्रष्टाचार, राजनीतिक जवाबदेही और बेरोजगारी से जुड़ी चर्चाओं को बढ़ावा दिया। नेपाल में, युवा प्रदर्शनकारियों को एकजुट करने और सूचनाएं फैलाने में सोशल मीडिया ने बड़ी भूमिका निभाई। साथ ही इसका इस्तेमाल आधिकारिक बयानों को चुनौती देने के लिए भी किया गया। यह आंदोलन सितंबर 2025 में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफे के साथ समाप्त हुआ। एक बड़ी चिंता यह है कि जहां सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अपनी तकनीक का इस्तेमाल सरकारों को जवाबदेह ठहराने के लिए करते हैं, वहीं इन प्लेटफॉर्म्स की खुद की जवाबदेही तय करने के लिए कोई तंत्र मौजूद नहीं है। यहां तक कि जब इन प्लेटफॉर्म्स का गलत आचरण सामने आता है, तब भी उनके खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई करना संभव नहीं होता। भारत सरकार के पास इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी (इंटरमीडियरी गाईडलाईंस एंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) नियमावली 2021 के अंतर्गत नियम 4 (2) के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता, सार्वजनिक व्यवस्था (पब्लिक ऑर्डर) और यौन अपराधों या बच्चों के यौन शोषण से संबद्ध कुछ संगीन अपराधों के संदर्भ में यह अधिकार है कि संदेश के प्रारंभ कर्ता की पहचान कर सके और अपराधियों को दंड दे सके। नियम में यह भी प्रावधान है कि ऐसा तब किया जाएगा जब कम सख्त तरीके प्रभावी सिद्ध नहीं हो पाएं। गौरतलब है कि विदेशी सोशल मीडिया प्लेटफार्म निजता के नाम पर नियमों को भी मानने से इंकार करते हैं। न्यायालय में सुनवाई के दौरान एक बार फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप आदि सोशल मीडिया कंपनी 'मेटा' के प्रमुख मार्क जुकरबर्ग ने बयान दिया था, कि यदि उन्हें एंड टू एंड एन्क्रिप्शन समाप्त करने के लिए बाध्य किया जाएगा तो वह भारत से निकल जाएंगे, यानी इन सोशल मीडिया सेवाओं को भारत में समाप्त कर देंगे। उनके इस बयान से यह समझा जा सकता है कि भारत सरकार उन्हें कुछ हिदायत दे रही है, जिनका वे पालन नहीं करना चाहते और इसलिए अपने इस बयान से जनता में राय बनाते हुए भारत सरकार पर दबाव बनाना चाहते हैं कि वो उन पर अंकुश न लगाए। क्या है एंड टू एंड एन्क्रिप्शन और क्या हैं भारतीय नियम? : मेटा का कहना है कि व्हाट्सएप द्वारा भेजे गए संदेश एंड टू एंड एन्क्रिप्टिड, यानी एक सिरे से दूसरे सिरे तक गुप्त होते हैं, यानी सिर्फ वही व्यक्ति जिसे आप मैसेज भेज रहे हैं, वही आपके मैसेज पढ़ सकते हैं।

ईरान के खिलाफ युद्ध के अगले चरण की तैयारी?

असद मिर्जा

अमेरिकी संदेश इसी नीतिगत खींचतान को उजागर करते हैं। इनमें से कोई इस सवाल का जवाब नहीं देता कि इज़रायल नई सैन्य कार्रवाई चाहे तो वाशिंगटन किसका समर्थन करेगा। एनपीआर की तैयारियों की रिपोर्ट, और साथ यह टिप्पणी कि उनका मकसद ईरान को समझौते की ओर धकेलना भी हो सकता है, साफ करती है कि तैयारी को अंतिम फैसला नहीं समझना चाहिए।

यॉर्क में इज़रायली और अमेरिकी बयान तैयारी और प्रतिरोध पर जोर देते नज़र आ रहे हैं, मगर ईरान पर हमले के किसी घोषित फैसले का संकेत नहीं देते। कुल मिलाकर यह सैन्य तैयारी, कूटनीतिक दबाव और क्षेत्रीय जोखिमों का अस्थिर मेल है, जिसका असर ऊर्जा सुरक्षा, जहाजरानी और भारत के रणनीतिक संतुलन तक पहुंचता है।

ईरान के साथ संभावित नई जंग के लिए इज़रायली-अमेरिकी तैयारियां तेज हो रही हैं। रिपोर्टों के मुताबिक बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल के दिनों में रोजाना डोनाल्ड ट्रंप को फोन कर नए हमलों पर ज़ोर दिया, जबकि वाशिंगटन कूटनीति और दबाव के बीच संतुलन तौल रहा है। न्यूयॉर्क में इजरायल हयोम समिट में दिए गए बयान तैयारी को रेखांकित करते हैं, मगर किसी तात्कालिक हमले की पुष्टि नहीं करते।

'इज़रायल हयोम समिट' एक अखबार द्वारा आयोजित सम्मेलन है, कोई सरकारी या सैन्य योजना मंच नहीं। इसका न्यूयॉर्क में दूसरा संस्करण 11 नवंबर को मैनहट्टन में हुआ, जिसमें इज़ रायली और अमेरिकी राजनीतिक व सुरक्षा हस्तियों ने द्विपक्षीय संबंधों और कूटनीति पर चर्चा की। इज़रायली रक्षा कंपनी आईएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सीईओ बोआज़ लेवी ने इज़रायली समाचार-पत्र हयोम को इंटरव्यू दिया; लेकिन



उनकी बातें उनका निजी आकलन हैं, युद्ध का आधिकारिक इज़रायली फैसला नहीं।

टाइम्स ऑफ इज़रायल और एक्सियोस ने इज़रायली व अमेरिकी सूत्रों के हवाले से अलग-अलग बताया कि नेतन्याहू ने हालिया कॉल में ट्रंप से जल्द ईरान पर हमला करने को कहा। उधर लेवी ने 11 नवंबर की समिट में कहा कि इज़रायल को ईरान के साथ एक और युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए, और सवाल 'अगर' का नहीं बल्कि 'कब' का है।

बयान क्या कहते हैं, और क्या नहीं

लेवी ने ईरानी मिसाइल बौछारों के खिलाफ एरो मिसाइल रक्षा प्रणाली के प्रदर्शन का ज़िक्र किया, 92 प्रतिशत इंटरसेप्शन दर का दावा किया, और कहा कि इज़रायल और अमेरिका इंटरसेप्टरों का उत्पादन बढ़ा रहे हैं और अधिक ऊंचाई पर रोकने की क्षमता चाहते हैं। उन्होंने एक इज़रायली उपग्रह का भी ज़िक्र किया जो लड़ाकू पायलट को वास्तविक समय में दिशा देता है। ये बयान अहम हैं, मगर रक्षा उद्योग के प्रमुख के हैं, सरकारी घोषणा नहीं।

उसी समिट में अमेरिकी बयान अधिक राजनीतिक थे। इज़रायली समाचार-पत्र हयोम के अनुसार संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने ईरानी शासन को पहले से अधिक कमजोर बताया और कहा कि अब्राहम समझौते फैल रहे हैं। सितंबर में अल-मॉनिटर को एक अलग इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि ईरान के लिए वार्ता में लौटने का दरवाजा खुला है और समय वाशिंगटन के पक्ष में है। यानी दबाव और कूटनीति साथ-साथ चल रही रणनीतियां दिखती हैं; यह एक और हमले की सार्वजनिक अमेरिकी प्रतिबद्धता नहीं है।

सैन्य तैयारियों की खबरों के बीच यह अंतर बेहद अहम है। एनपीआर ने अक्टूबर में अमेरिकी-इज़ रायली युद्ध योजना से वाकिफ एक व्यक्ति के हवाले से बताया कि दोनों देश अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद संभावित हमले की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि सैन्य जमावड़े का मकसद तेहरान पर समझौते के लिए दबाव डालना भी हो सकता है।

यह दावा एक अनाम सूत्र से जुड़ा था, आधिकारिक नीति के रूप में घोषित नहीं। लेवी के बयान दीर्घकालिक तैयारी की धारणा को मजबूत करते हैं, मगर किसी आसन्न कार्रवाई की स्वतंत्र पुष्टि नहीं करते और न उसके उद्देश्य बताते हैं। क्षेत्रीय सुरक्षाः प्रतिरोध, तनाव और गलत आकलन पहला क्षेत्रीय निहितार्थ यह है कि मिसाइल रक्षा को स्थायी जरूरत माना जा रहा है; लेवी के ब्योरे से झलकता है कि इज़रायल की नजर में ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता भविष्य की सुरक्षा योजना में केंद्रीय रहेगी। बेहतर इंटरसेप्शन हमले के अपेक्षित नुकसान को घटाकर प्रतिरोध को मजबूत कर सकता है।

लेकिन यह सुरक्षा की गारंटी नहीं है: ऊंची इंटरसेप्शन दर के बावजूद मिसाइलें गिर सकती हैं, और लंबे या बार-बार के हमलों में इंटरसेप्टरों की लागत और उपलब्धता बाधा बन सकती है। 92 प्रतिशत का आंकड़ा हयोम के अनुसार लेवी का दावा है, स्वतंत्र रूप से सत्यापित आंकड़ा नहीं।

व्यापक खतरा सुरक्षा दुविधा का है। इज़रायल जिन तैयारियों को रक्षात्मक कहता है, यानी ज्यादा इंटरसेप्टर, बेहतर सेंसर और अंतरिक्ष आधारित तालमेल, तेहरान उन्हें नए आक्रामक कदम की नींव मान सकता है। तब ईरान अपनी सैन्य तैयारियों या क्षेत्रीय जहाजरानी और बुनियादी ढांचे पर दबाव से प्रतिरोध बहाल करने की कोशिश कर सकता है। नतीजा ऐसा चक्र हो सकता है जिसमें हर पक्ष कहे कि वह अगला हमला रोक रहा है, जबकि दूसरे में पहले निशाना बनने का डर बढ़ता जाए।

वाल्ट्ज का यह कहना कि ईरान कमजोर है, भी जोखिम बन सकता है, अगर इसे दबाव की कामयाबी और उसे और बढ़ाने का सबूत मान लिया जाए। दूसरी ओर वार्ता की तत्परता कूटनीति की गुंजाइश छोड़ती है। विकल्प सिर्फ 'हमला या वार्ता' नहीं है: सैन्य तैयारी वार्ता को सहारा दे सकती है, लेकिन अगर नेता युद्ध को सार्वजनिक रूप से अपरिहार्य बताएं तो समझौते की गुंजाइश घट भी सकती है।

भारत की राजनीति में आरोप नही प्रमाण की जरूरत

देश को बदनाम करने से नही ,जनता का विश्वास जितने से मिलती है सत्ता

-कांतिलाल मांडोत

भारतीय लोकतंत में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनो की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार के कामकाज पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, बल्कि उसकी जिम्मेदारी भी है। लेकिन सवाल उठाने और आरोप लगाने के बीच एक बड़ा अंतर होता है। किसी भी राजनीतिक दल को जनता के सामने अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है, मगर उस बात के समर्थन में ठोस प्रमाण भी होने चाहिए। केवल भाषणों, नारों और आरोपों से न तो लोकतंत्र मजबूत होता है और न ही जनता का विश्वास जीता जा सकता है। कांग्रेस और राहुल गांधी के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वे अपनी राजनीति को आरोपों से निकालकर तथ्यों और जनहित के मुद्दों तक लेकर आएं।

हाल ही में हैदराबाद में आयोजित कांग्रेस के भारत समिट ने एक बार फिर देश की राजनीति में बहस छेड़ दी है। इस कार्यक्रम में राहुल गांधी ने चुनावी व्यवस्था, लोकतांत्रिक संस्थाओं और वर्ष 2014 के बाद की राजनीति पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 2014 में भारत में लोकतंत्र को नष्ट कर दिया गया था। उनका यह भी कहना था कि राजनीतिक व्यवस्था में भारी मात्रा में पैसा लगाया गया और विपक्ष उस समय सदमे में था। उन्होंने सत्य और अहिंसा को कांग्रेस के दो प्रमुख हथियार बताते हुए वर्तमान, भूतकाल और भविष्य की लड़ाई लड़ने की बात कही।

लोकतंत्र में राहुल गांधी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन जब कोई नेता देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर इतना गंभीर आरोप लगाता है तो उससे अपेक्षा होती है कि वह जनता के सामने ठोस प्रमाण भी रखे। केवल यह कह देना कि लोकतंत्र खत्म हो गया है, पर्याप्त नहीं है। यदि चुनावी व्यवस्था में गड़बड़ी है तो उसका विवरण, तथ्य और प्रमाण सामने आने चाहिए। जनता को



भी यह समझना जरूरी है कि आरोप राजनीतिक भाषण का हिस्सा हैं या वास्तव में किसी गंभीर अनियमितता का प्रमाण।

भारत समिट में विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधियों की मौजूदगी को लेकर भी भाजपा नेताओं ने सवाल उठाए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पूछा कि कांग्रेस ऐसे लोगों को अपने राजनीतिक मंच पर क्यों जगह दे रही है, जिनके संबंध जॉर्ज सोरोस समर्थित ओपन सोसायटी नेटवर्क और एमनेस्टी इंटरनेशनल से जुड़े बताए जाते हैं। उन्होंने इक्वाडोर के पूर्व मंत्री गुइलेर्मो लांग और एमनेस्टी इंटरनेशनल के पूर्व महासचिव सलिल शेट्टी का उल्लेख करते हुए उनकी पृष्ठभूमि और भारत से जुड़े पुराने बयानों पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि कांग्रेस को स्पष्ट करना चाहिए कि इन लोगों को मंच देने के पीछे उसका उद्देश्य क्या है।

भाजपा नेता सीआर केसवन ने भी सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस के प्रायोजित भारत समिट में राहुल गांधी और उनके सहयोगियों ने देश तथा लोकतंत्र के बारे में अपमानजनक बातें कहीं। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल कुछ विदेशी प्रतिनिधियों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाए। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इटली के नेता जियाकोमो फिलिबेक के भाषण का वीडियो सामने आने के बाद राहुल गांधी पर निशाना साधा। फिलिबेक ने अपने भाषण में कांग्रेस का नारा 'वोट चोर गद्दी छोड़' लगाया था। वीडियो में राहुल गांधी तालियां बजाते दिखाई दिए। इस पर रिजिजू ने सवाल किया कि जब कोई विदेशी व्यक्ति भारत का अपमान करता है तो उस समय कौन हंसता है?

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने भी विदेशी प्रतिनिधियों के सामने देश के आंतरिक राजनीतिक मुद्दे उठाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने मतदाता सूची से नाम हटाने के राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि मृत व्यक्तियों, दोहरे मतदाताओं और स्थायी रूप से दूसरी जगह जा चुके लोगों के नाम हटाना आवश्यक है। मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है। यदि किसी वास्तविक मतदाता का नाम गलत तरीके से हटाया गया है तो उसकी जांच होनी चाहिए, लेकिन पूरी प्रक्रिया को ही गलत बताना उचित नहीं है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुणे में आयोजित कार्यक्रम में राहुल गांधी को नसीहत देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंचों से भारत को बदनाम करके सत्ता हासिल नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को विदेश यात्राओं के बजाय गांव-गांव जाकर जनता से जुड़ना चाहिए। शाह ने कांग्रेस की लगातार चुनावी हार का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्टी अपना राजनीतिक असंतोष अलग-अलग तरीकों से निकाल रही है। उन्होंने कृषि, उद्योग, रेलवे, हवाई अड्डों, मेट्रो, अंतरिक्ष अनुसंधान और नई शिक्षा नीति जैसे क्षेत्रों में पिछले वर्षों में हुए विकास कार्यों का भी उल्लेख किया। शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास की नई दिशा पकड़ी है और उन पर भ्रष्टाचार का कोई ठोस आरोप साबित नहीं हुआ है।

कांग्रेस के लिए इन राजनीतिक सवालों में एक बड़ी सीख छिपी है। जनता केवल भाषण सुनकर अपना निर्णय नहीं करती। वह सरकार के काम, नेताओं के व्यवहार और उनके दावों की सच्चाई भी देखती है। कांग्रेस को यह समझना होगा कि उसकी कथनी और करनी में अंतर दिखाई देने लगे तो जनता का भरोसा कमजोर होता है। बार-बार बड़े आरोप लगाने से पहले उन्हें प्रमाणों के साथ प्रस्तुत करना चाहिए। झूठ और अधूरे तथ्यों का पुलिंदा लंबे समय तक नहीं चल सकता। राजनीति में विश्वसनीयता सबसे बड़ी पूंजी होती है।

आज का युवा, विशेषकर नई पीढ़ी, रोजगार, शिक्षा, तकनीक, अवसर और देश के भविष्य को लेकर गंभीर है। वह केवल राजनीतिक नारे नहीं सुनना चाहता, बल्कि यह जानना चाहता है कि उसके जीवन में सुधार के लिए कौन क्या कर रहा है। यदि राजनीति का केंद्र केवल विरोध और आरोप बन जाएगा तो युवा उससे दूरी बना सकता है। राहुल गांधी को यह समझना होगा कि सरकार का विरोध करते-करते देश की छवि को नुकसान पहुंचाने वाली भाषा से बचना भी उतना ही जरूरी है। देश की कमियों पर सवाल उठाना देशविरोध नहीं है, लेकिन आलोचना तथ्यों और जिम्मेदारी के साथ होनी चाहिए।

कांग्रेस का जनाधार कमजोर होने के पीछे भी आत्ममंथन की आवश्यकता है। पार्टी को यह देखना होगा कि जनता उससे क्यों दूर हो रही है। केवल भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार को निशाना बनाने से राजनीतिक भविष्य नहीं बन सकता। देश की जनता को विकास, सुरक्षा, रोजगार, सामाजिक सद्भाव और मजबूत नेतृत्व चाहिए। धर्म, समाज और राष्ट्रीय पहचान को लेकर विवादित टिप्पणियां करने के बजाय सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की जरूरत है।

राजनीति में विरोध होना चाहिए, लेकिन विरोध का उद्देश्य देश को कमजोर करना नहीं, बल्कि व्यवस्था को बेहतर बनाना होना चाहिए। भारत की जनता ने हमेशा उन नेताओं को महत्व दिया है जो कठिन परिस्थितियों में उसके साथ खड़े रहे, गांवों तक पहुंचे और विकास के लिए काम किया। जनता से जुड़ने वाला नेता ही उसकी अपेक्षाओं को समझ सकता है। सत्ता का रास्ता विदेशी मंचों पर भाषण देने या केवल नैरेटिव बनाने से नहीं, बल्कि देश के करोड़ों लोगों का विश्वास जीतने से निकलता है। लोकतंत्र में अंतिम फैसला जनता करती है और जनता के फैसले का सम्मान करना ही सच्ची लोकतांत्रिक भावना है।

देवोत्थान एकादशी : नवचेतना और सांस्कृतिक जागरण का पर्व



लेखक:
कुंवर शील वर्धन प्रताप नारायण सिंह
एडवोकेट/पत्रकार
वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गोरखपुर प्रेस क्लब
सम्पर्क सूत्र : 9005000244

भारतीय संस्कृति में पर्व केवल तिथि, पूजा-पद्धति और धार्मिक अनुष्ठानों का विधान नहीं, बल्कि जीवन को संस्कारित करने, समाज को जोड़ने और मनुष्य की अंतःचेतना को जागृत करने के माध्यम हैं। कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी, जिसे देवोत्थान, देवउठनी अथवा प्रबोधिनी एकादशी कहा जाता है, इसी आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक परंपरा और नवजीवन के संकल्प का प्रतीक है। यह पर्व भगवान विष्णु के योगनिद्रा से जागरण के साथ चातुर्मास की समाप्ति तथा मांगलिक कार्यों के पुनः आरंभ का संदेश देता है।

पौराणिक मान्यता के अनुसार आषाढ़ शुक्ल एकादशी को भगवान विष्णु क्षीरसागर में शेषनाग की शय्या पर योगनिद्रा में प्रविष्ट होते हैं। चार मास के इस काल को चातुर्मास कहा जाता है। कार्तिक शुक्ल एकादशी को भगवान के जागरण के साथ सृष्टि में मांगल्य, उत्सव और शुभ कर्मों की पुनः प्रतिष्ठा मानी जाती है। इसीलिए देवोत्थान एकादशी केवल देव-जागरण का पर्व नहीं, अपितु जीवन में ठहराव के पश्चात नवगति, आशा और कर्मशीलता के उदय का सांकेतिक उत्सव भी है।

इस पर्व से जुड़ी राजा बलि और भगवान वामन की कथा भारतीय धर्म-दर्शन में त्याग, दानशीलता तथा वचनपालन की अनुपम गाथा प्रस्तुत करती है। भगवान विष्णु ने वामन रूप धारण कर राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी। दो पगों में समस्त लोकों को नाप लेने के पश्चात तीसरे पग के लिए बलि ने अपना शीश अर्पित कर दिया। उनकी उदारता और



वचनबद्धता ने उन्हें पराजय में भी गौरव प्रदान किया। यह आख्यान बताता है कि वास्तविक महानता अधिकार और वैभव में नहीं, बल्कि विनम्रता, त्याग और वचन की मर्यादा में निहित होती है।

देवोत्थान एकादशी के साथ तुलसी विवाह की परंपरा भी भारतीय लोकजीवन में विशेष स्थान रखती है। तुलसी और शालिग्राम का विवाह भक्ति, पवित्रता, प्रकृति तथा गृहस्थ धर्म के समन्वय का प्रतीक है। तुलसी से संबंधित पौराणिक आख्यानों में वृंदा, जालंधर और भगवान विष्णु के प्रसंग श्रद्धा, निष्ठा, धर्म तथा ईश्वरीय लीला के विविध आयाम उद्घाटित करते हैं। तुलसी भारतीय परिवारों के आंगन में केवल पूजनीय वनस्पति नहीं, बल्कि जीवन, आरोग्य, पर्यावरण और आत्मीयता की सांस्कृतिक प्रतीक रही है। तुलसी चौरे पर प्रज्वलित दीप भारतीय गृहस्थ जीवन की सात्त्विकता, मंगलकामना और प्रकृति के प्रति श्रद्धा का सजीव बिंब है।

इस पर्व की वास्तविक सुंदरता उसके लोकाचार में भी दिखाई देती है। ग्रामीण अंचलों में गन्ने के मंडप, आंगन में निर्मित चौक, दीपों की पंक्तियां, शंखध्वनि, घंटानाद, भजन-कीर्तन और पारंपरिक मंगलगीत वातावरण को आध्यात्मिक उल्लास से भर देते हैं। घरों में तुलसी विवाह का आयोजन केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि परिवार और समुदाय को एक सूत्र में पिरोने वाला सांस्कृतिक अवसर बन जाता है। बुजुर्गों से नई पीढ़ी तक संस्कार, लोककथाएं, आस्था और परंपराएं सहज रूप से हस्तांतरित होती हैं। इस प्रकार भारतीय पर्व हमारी मौखिक परंपरा, लोकसाहित्य और सामाजिक एकात्मता के संवाहक भी हैं। देवोत्थान एकादशी का आध्यात्मिक अर्थ व्यापक है। भगवान का जागरण मनुष्य को भी आत्मजागरण की प्रेरणा देता है। आज जब समाज भौतिक उपलब्धियों की दौड़ में संवेदनाओं, आत्मीयता और नैतिक मूल्यों से दूर होता दिखाई देता है, तब यह पर्व विवेक, करुणा, संयम और उत्तरदायित्व के पुनर्जागरण का संदेश देता है। मनुष्य के भीतर सोई हुई मानवीयता जागे, समाज में परस्पर विश्वास बढ़े, प्रकृति के प्रति संवेदना विकसित हो तथा जीवन में सत्य और सदाचार का प्रकाश प्रस्फुटित हो—यही इस पर्व की कालजयी प्रासंगिकता है।

भारतीय संस्कृति की विशेषता यही है कि वह धार्मिक प्रतीकों के माध्यम से सामाजिक जीवन को नैतिक आधार प्रदान करती है। देवोत्थान एकादशी हमें स्मरण कराती है कि प्रत्येक विराम के बाद नई शुरुआत संभव है, प्रत्येक अंधकार के पश्चात प्रकाश का उदय होता है और प्रत्येक सुप्त चेतना पुनः जागृत होकर जीवन को सार्थक बना सकती है। यह पर्व आस्था को आचरण, परंपरा को परिवर्तन और आध्यात्मिकता को सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने का अवसर प्रदान करता है।

देवोत्थान एकादशी का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना युगों पूर्व था—हम केवल देवताओं के जागरण की प्रतीक्षा न करें, बल्कि अपने भीतर सद्भाव, संवेदना, संस्कृति और कर्तव्य की चेतना को भी जागृत करें। यही इस पावन पर्व का वास्तविक आध्यात्मिक आलोक और भारतीय संस्कृति का

हरियाणा में एक आईएएस और एक एचसीएस अधिकारी का तबादला



अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने तत्काल प्रभाव से एक आईएएस और एक एचसीएस अधिकारी के तबादला एवं नियुक्ति आदेश जारी किए हैं। आदेशों के अनुसार, आईएएस अधिकारी अंकित कुमार चौकसे अतिरिक्त उपायुक्त-सह-जिला नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी, पानीपत को अतिरिक्त उपायुक्त-सह-जिला नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी, झज्जर नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार, एचसीएस अधिकारी जग निवास, अतिरिक्त उपायुक्त-सह-जिला नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी, झज्जर को अतिरिक्त उपायुक्त-सह-जिला नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी, पानीपत नियुक्त किया गया है।

समय पर पहचान और सही उपचार से नियंत्रित हो सकती है फेफड़ों की गंभीर बीमारी सीओपीडी : डॉ. दीपक तायल

अनप्लग इंडिया

हिसार। विश्व सीओपीडी दिवस के अवसर पर आधार हॉस्पिटल के छाती एवं श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक तायल ने आमजन को फेफड़ों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सांस फूलना, लगातार खांसी आना और बलगम बनना जैसी समस्याओं को सामान्य समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय रहते जांच और उचित उपचार से सीओपीडी जैसी गंभीर बीमारी को नियंत्रित किया जा सकता है और मरीज बेहतर जीवन जी सकता है। डॉ. दीपक तायल ने बताया कि विश्व सीओपीडी दिवस प्रत्येक वर्ष 18 नवंबर को मनाया जाता है। वर्ष 2026 की थीम 'समय पर पहचान और उचित उपचार से बेहतर जीवन' रखी गई है। इसका उद्देश्य लोगों को इस बीमारी के शुरुआती लक्षणों, बचाव के उपायों और समय पर उपचार के प्रति जागरूक करना है।



उन्होंने बताया कि सीओपीडी फेफड़ों से जुड़ी एक दीर्घकालिक बीमारी है, जिसमें सांस की नलियां प्रभावित होने के कारण मरीज को सांस लेने में परेशानी होती है। इसके प्रमुख लक्षणों में लगातार खांसी, बलगम, सांस फूलना और छाती में घरघराहट शामिल हैं। जागरूकता की कमी के कारण कई मरीज समय पर जांच नहीं करवाते, जिससे बीमारी गंभीर रूप ले सकती है।

डॉ. तायल के अनुसार धूम्रपान, तंबाकू का सेवन, घरेलू और बाहरी वायु प्रदूषण तथा कार्यस्थलों पर हानिकारक धूल एवं रसायनों के संपर्क में रहना इस बीमारी के प्रमुख कारणों में शामिल हैं। विशेष रूप से उत्तर भारत में बढ़ता वायु प्रदूषण श्वसन संबंधी बीमारियों की चुनौती को और गंभीर बना रहा है।

उन्होंने कहा कि सीओपीडी की सही पहचान के लिए श्वसन क्षमता जांच (स्पाइरोमेट्री) बेहद महत्वपूर्ण है। इस जांच से फेफड़ों की कार्यक्षमता का पता लगाया जाता है। बीमारी की स्थिति के अनुसार चिकित्सक की सलाह से इनहेलर उपचार, नियमित जांच और उचित देखभाल के माध्यम से इसे नियंत्रित किया जा सकता है।

डॉ. दीपक तायल ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि धूम्रपान और तंबाकू से दूरी बनाएं, वायु प्रदूषण से बचाव करें और अपने फेफड़ों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। यदि लगातार खांसी, बलगम या सांस फूलने जैसी परेशानी हो तो घरेलू उपायों के भरोसे रहने के बजाय समय रहते विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लें।

उन्होंने कहा कि सांस फूलने को उम्र या सामान्य कमजोरी का हिस्सा समझकर नजरअंदाज करना उचित नहीं है। समय पर जांच, सही उपचार और जागरूकता ही स्वस्थ फेफड़ों एवं बेहतर जीवन की कुंजी है।

युवा महोत्सव में आज से दो दिन युवा प्रतिभाओं का दिखेगा हुनर

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। जिला के युवा 19 नवंबर से अपनी प्रतिभा और हुनर का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच पर जुटेंगे। दो दिवसीय जिला युवा महोत्सव-2026 में कला, संस्कृति, विचारों और रचनात्मकता का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

सेक्टर-14 स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में आयोजित होने वाले इस महोत्सव का शुभारंभ सोहना के विधायक तेजपाल तंवर, मुख्य अतिथि के रूप में करेंगे। महोत्सव में जिले के 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। हरियाणा सरकार के युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग के निर्देशानुसार आयोजित इस महोत्सव में लोक नृत्य, लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला, कविता लेखन तथा लोक वाद्य यंत्र जैसी छह विधाओं में प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं को अपनी कला, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और रचनात्मक कौशल प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गुरुग्राम के प्रधानाचार्य रविंद्र यादव ने बताया कि महोत्सव के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम पुरस्कार के रूप में 4,100 रुपये, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 3,100 रुपये तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में 2,100 रुपये की नकद राशि प्रदान की जाएगी। जिला स्तर पर विजेता प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में गुरुग्राम का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। राज्य स्तर पर चयनित प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष महोत्सव की थीम नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत रखी गई है। इसके माध्यम से युवाओं को नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा विकसित भारत-2047 के संकल्प में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

21 नवंबर को विकास सदन में लगेगी विशेष लोक अदालत

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के दिशा-निर्देशों में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गुरुग्राम की ओर से 21 नवंबर 2026 को विकास सदन जिला न्यायालय परिसर में विशेष लोक अदालत लगाई जाएगी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नरेंद्र सुरा के मार्गदर्शन में आयोजित इस लोक अदालत में परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट) की धारा 138 के तहत लंबित मामलों का निपटारा किया जाएगा। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव निशा ने बताया कि विशेष लोक अदालत का उद्देश्य एनआई एक्ट की धारा 138 से संबंधित लंबित मामलों का आपसी सहमति से त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। इससे न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या कम करने के साथ-साथ पक्षकारों के समय और धन की बचत भी होगी। उन्होंने बताया कि लोक अदालत विवादों के आपसी सहमति से समाधान का प्रभावी माध्यम है। इसमें दोनों पक्ष सौहार्दपूर्ण वातावरण में अपने विवाद का निपटारा कर सकते हैं। लोक अदालत में पारित अवार्ड अंतिम होता है और दोनों पक्षों पर बाध्यकारी होता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने संबंधित पक्षकारों एवं अधिवक्ताओं से अपील की है कि वे विशेष लोक अदालत में अधिक से अधिक भागीदारी करें और आपसी समझौते के माध्यम से अपने लंबित मामलों का समाधान करवाएं। इस लोक अदालत में मामलों के निपटारे के लिए किसी प्रकार का अतिरिक्त न्यायालय शुल्क नहीं देना होगा। अधिक जानकारी एवं सहायता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गुरुग्राम से संपर्क किया जा सकता है।

सीएम सैनी की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक : हरियाणा में 100 करोड़ के ग्रीन क्लाइमेट रेजिलिएंस फंड की शुरुआत

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा को स्वच्छ, हरित और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाने के लिए राज्य सरकार ने 100 करोड़ रुपये के सीड फंड के साथ हरियाणा ग्रीन क्लाइमेट रेजिलिएंस फंड की पहल शुरू की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में बुधवार को चंडीगढ़ में आयोजित बैठक में इस फंड के प्रभावी क्रियान्वयन, निवेश और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी परियोजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव मंत्री राव नरबीर सिंह सहित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों और कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में हरियाणा ग्रीन क्लाइमेट रेजिलिएंस फंड की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया था। यह पहल वर्ष 2070 तक भारत के नेट-जीरो उत्सर्जन लक्ष्य के अनुरूप प्रदेश के विकास को पर्यावरण अनुकूल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।



चार प्रमुख क्षेत्रों में होगा निवेश

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए चार प्रमुख क्षेत्रों को चिह्नित किया है। इनमें इलेक्ट्रिक मोबिलिटी एवं चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, नवीकरणीय ऊर्जा एवं ऊर्जा दक्षता, सर्कुलर इकोनॉमी और नेचर बेस्ड सॉल्यूशंस शामिल हैं।इन क्षेत्रों में ऐसी परियोजनाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा, जिनसे प्रदूषण कम करने, स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने, संसाधनों का बेहतर प्रबंधन करने और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

परियोजनाओं के चयन में दीर्घकालिक परिणामों पर जोर-मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फंड के तहत उन्हीं परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जाए, जिनसे पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में प्रत्यक्ष एवं दीर्घकालिक लाभ मिले। उन्होंने कहा कि फंड का उपयोग केवल योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इनके परिणाम धरातल पर दिखाई देने चाहिए। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करने, परियोजनाओं के क्रियान्वयन और उनकी नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। साथ ही निजी क्षेत्र, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों और ग्रीन इकोनॉमी से जुड़े संगठनों की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया, ताकि आधुनिक तकनीक, नवाचार और निवेश का लाभ प्रदेश को मिल सके।

प्राकृतिक खेती और पराली प्रबंधन को मिलेगा प्रोत्साहन-मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य की दिशा में पर्यावरण संरक्षण के साथ टिकाऊ कृषि पद्धतियों को भी बढ़ावा दे रही है। प्रदेश में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है और इस पद्धति को अपनाने वाले किसानों को आवश्यक सहयोग दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पराली प्रबंधन सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। किसानों को पराली जलाने के बजाय उसका उचित प्रबंधन करने और उपयोगी संसाधन के रूप में इस्तेमाल करने के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे किसानों को पराली से अतिरिक्त आय अर्जित करने के अवसर भी मिल रहे हैं।

बैठक में बताया गया कि ग्रीन क्लाइमेट रेजिलिएंस फंड के संचालन और पर्यावरणीय परियोजनाओं को गति देने के लिए 'पृथ्वी' नाम से एक कंपनी का गठन किया जाएगा। यह कंपनी फंड के संसाधनों का योजनाबद्ध एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के साथ जलवायु अनुकूलन और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी पहलों को आगे बढ़ाएगी।

मुख्यमंत्री ने कंपनी के गठन की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि इसके संचालन में पारदर्शिता, जवाबदेही और परिणाम आधारित कार्यप्रणाली सुनिश्चित की जाए। बैठक में शामिल राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों तथा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने हरियाणा सरकार की इस पहल की सराहना की। प्रतिनिधियों ने फंड के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता, सहयोग और योगदान देने की इच्छा जताई। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल, फ्यूचर विभाग की प्रधान सचिव अमनीत पी. कुमार, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल, बिजली विभाग की आयुक्त एवं सचिव आशिमा बराड़, नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग के महानिदेशक जे. गणेशन, पर्यावरण विभाग के महानिदेशक प्रभजोत सिंह, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग तथा फ्यूचर विभाग के निदेशक डॉ. आदित्य दहिया और मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव यशपाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार ने शिक्षा व्यवस्था का भट्ठा बैठाया, छात्रसंघ चुनाव बहाल हो-दिग्विजय चौटाला

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा है कि भाजपा सरकार ने हरियाणा की शिक्षा व्यवस्था का भट्ठा बैठा दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है और विद्यार्थियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रदेश में छात्र संघ चुनाव जल्द बहाल करने की मांग उठाते हुए कहा कि छात्र राजनीति युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का माध्यम है। राज्य सरकार को बिना देरी युवाओं के हित में प्रदेश में प्रत्यक्ष रूप से छात्रसंघ चुनाव करवाने चाहिए। दिग्विजय चौटाला बुधवार को हिसार में आयोजित छात्र संवाद सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि प्रदेश सरकार जानबूझकर छात्रसंघ चुनावों को टाल रही है, जिससे विद्यार्थियों की आवाज दब रही है। छात्र संघ चुनाव लोकतंत्र की पहली सीढ़ी है और इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी समस्याएं, फीस वृद्धि, शैक्षणिक सुविधाओं और कॉलेज परिसरों से जुड़े मुद्दे उठाने के लिए एक मजबूत मंच मिलता है। उन्होंने कहा कि छात्र प्रतिनिधियों के अभाव में विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की समस्याओं की प्रभावी सुनवाई नहीं हो पा रही है। विश्वविद्यालयों के माहौल पर सवाल उठाते हुए दिग्विजय चौटाला ने कहा कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों में आरएसएस को खुली छूट दी जा रही है। भाजपा और आरएसएस के कार्यक्रमों के आयोजन की अनुमति दी जाती है, जबकि अन्य राजनीतिक दलों और छात्र संगठनों के कार्यक्रमों पर रोक लगाई जाती है। उन्होंने इसे शिक्षण



संस्थानों का राजनीतिकरण और भगवाकरण बताते हुए दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि जेजेपी विद्यार्थियों के अधिकारों, छात्र संघ चुनावों की बहाली और प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी। दिग्विजय चौटाला ने ये भी कहा कि भाजपा सरकार की अनदेखी के कारण प्रदेश के सरकारी स्कूलों की हालत बेहद खराब है। कहीं स्कूलों की छतें जर्जर है तो कहीं विद्यार्थियों के लिए पीने के स्वच्छ पानी तक की व्यवस्था नहीं है।

रेवाड़ी में सहकारी समिति का सब-इंस्पेक्टर 2,500 रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

अनप्लग इंडिया

रेवाड़ी। हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसवी एवं एसीबी) ने रेवाड़ी जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सहकारी समिति के सब-इंस्पेक्टर विक्रांत को 2,500 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी पर देबू कोऑपरेटिव लेबर एंड कंस्ट्रक्शन सोसायटी लिमिटेड, पाली की प्रोसीडिंग बुक का सत्यापन करने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है। शिकायत के बाद एसीबी ने बिछाया जाल प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता ने एसवी एवं एसीबी को शिकायत दी थी कि सहकारी समिति में तैनात सब-इंस्पेक्टर विक्रांत उसकी सोसायटी की प्रोसीडिंग बुक का सत्यापन करने के एवज में अवैध रूप से पैसे मांग रहा है। आरोप है कि आरोपी ने शुरुआत में 2,500 रुपये देने और बाकी रकम काम पूरा होने के बाद देने की मांग की थी।

शिकायत मिलने के बाद एसीबी की रेवाड़ी यूनिट ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया। कार्रवाई के दौरान सब-इंस्पेक्टर विक्रांत को शिकायतकर्ता से 2,500 रुपये लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज

इस मामले में थाना एसवी एवं एसीबी, गुरुग्राम में एफआईआर नंबर 48, दिनांक 18 नवंबर 2026 को दर्ज की गई है। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

'सतर्क हरियाणा' ऐप से कर सकते हैं शिकायत

एसवी एवं एसीबी ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई सरकारी अधिकारी या कर्मचारी सरकारी काम के बदले रिश्वत की मांग करता है तो इसकी सूचना तुरंत



ब्यूरो को दें। नागरिक 'सतर्क हरियाणा' मोबाइल ऐप के माध्यम से भी घर बैठे भ्रष्टाचार की शिकायत दर्ज करा सकते हैं। यह ऐप गूगल प्ले स्टोर और एप्पल ऐप स्टोर पर उपलब्ध है। ब्यूरो ने शिकायतकर्ताओं की गोपनीयता बनाए रखने का भरोसा दिलाते हुए लोगों से बिना किसी भय या संकोच के भ्रष्टाचार की सूचना देने की अपील की है।

स्कूलों में अच्छी शिक्षा व पूरा स्टाफ तो दूर, बच्चों के लिए पीने लायक पानी तक नहीं : भूपेंद्र हुड्डा

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। बीजेपी सरकार बच्चों को स्कूलों में पूरा स्टाफ और अच्छी शिक्षा उपलब्ध करवाना तो दूर, पीने लायक पानी तक उपलब्ध करवाने में नाकाम साबित हुई है। इस सरकार ने प्राइमरी से लेकर उच्चतर समेत प्रदेश के पूरे शिक्षा तंत्र का बंटाधार कर डाला है। ये कहना है पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का। हुड्डा प्रदेश के स्कूलों व कॉलेजों की दयनीय स्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। इस मौके पर उन्होंने बताया कि सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेजों में शिक्षकों के लगभग 50% पद खाली हैं। 2831 स्वीकृत पदों में से 1394 पद रिक्त हैं। गैर-शिक्षक पदों के 47% पद भी खाली हैं (1668 पदों में से 785 रिक्त)। 97 सहायता प्राप्त कॉलेजों में से 56 में प्रिंसिपल तक नहीं हैं। शिक्षा विभाग में सेंक्शन पोस्ट के लगभग आधे 51 हज़ार सरकारी पद खाली पड़े है। जे बी टी की तो 12 साल में एक पद पर भी भर्ती नही हुई है। इसी तरह स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है। प्रदेश के 723 प्राथमिक स्कूलों में केवल एक-एक शिक्षक काम चला रहे हैं। इन शिक्षकों को पढ़ाने के साथ सफाई, मिड-डे मील आदि सारे काम करने पड़ रहे हैं। इनमें से 19 स्कूलों को मॉडल संस्कृति स्कूल का दर्जा भी दिया गया है। इतना ही नहीं, 12वीं तक के 398 स्कूलों का पानी पीने लायक नहीं है, जिससे बच्चों को बीमारियों का खतरा है। यह आंकड़ा केवल 6000 स्कूलों के सैंपल का है। 7800 स्कूलों का सैंपल अभी तक नहीं लिया गया, जिससे समस्या और गंभीर हो सकती है। हालात ये हैं कि बच्चों के मिड-डे मील पर भी खतरा मंडरा रहा है। सरकार दूध, दही, सब्जी, गुड़, आटा, पिसाई और गैस सिलेंडर खरीदने के लिए स्कूलों को पर्याप्त फंड नहीं दे रही है। स्कूलों के लिए फंड न जारी होने के



कारण राशन उधार पर लिया जा रहा है। शिक्षक अक्सर अपनी जेब से पैसे खर्च कर बाद में प्रतिपूर्ति के लिए आवेदन करते हैं। बीजेपी सरकार लगातार नई शिक्षा नीति का ढिंढोरा पीटती रही है। आखिर ये कैसी नई नीति है, जिसमें ना बच्चों को टीचर मिल रहे, ना खाना और ना ही पीने लायक पानी? भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि सरकारी स्कूलों में दलित, पिछड़े वर्ग, गरीब व किसान वर्ग के बच्चे पढ़ते हैं। लेकिन बीजेपी इन वर्गों को हरेक सुविधा और शिक्षा से वंचित करना चाहती है। इसीलिए नए स्कूल बनाना तो दूर, बीजेपी सरकार पहले से स्थापित स्कूलों में पानी, बिजली, टॉयलेट और बैठने के लिए बैंच तक मुहैया नहीं करवा रही है। सरकारी स्कूलों की खस्ताहालत से नाराज होकर हाई कोर्ट ने इस सरकार पर 5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। लेकिन सत्ता में बैठे लोग सुधरने का नाम नहीं ले रहे।

हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने प्रदेश में बेहतरीन शिक्षा व्यवस्था स्थापित की थी। इसके लिए महेंद्रगढ़ में केंद्रीय विश्वविद्यालय बनवाया गया था। प्रदेस में 12 नए सरकारी विश्वविद्यालय बनवाए, 154 नए पॉलिटेक्निक कॉलेज, 56 नए आईटीआई, 4 नए सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज खोले गए थे। बाबा साहेब अंबेडकर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी बनाई। प्रदेश में आईआईएम, आईआईटी एक्सटेंशन, ट्रिपल आईटी कैंपस जैसे राष्ट्रीय स्तर के दर्जनभर संस्थान स्थापित करवाए थे। साथ ही राजीव गांधी एजुकेशन सोसाइटी सोनीपत में बनवाई, जिसमें देश की कई प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी बनी हैं।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान 2623 नए स्कूल बनाए गए, 1 नया सैनिक स्कूल रेवाड़ी, 6 नए केंद्रीय विद्यालय बनवाए और हर जिले में DIET खोले थे। कांग्रेस ने 25000 जेबीटी, 25000 टीजीटी-पीजीटी, स्कूल स्टाफ, 50000 यूनिर्वसिटी, इंस्टिट्यूट स्टाफ समेत शिक्षा विभाग में 1 लाख से अधिक नौकरियां दी थीं। जबकि बीजेपी सरकार में करीब 50 हजार पक्के पद खाली पड़े हुए हैं। इस सरकार ने पूरे कार्यकाल में कोई जेबीटी भर्ती नहीं की, जिसके चलते प्रदेश के युवाओं का जेबीटी कोर्स से मोहभंग हो गया है और जेबीटी कॉलेजों की सीटें खाली रह जाती हैं।

श्री श्याम जन्मोत्सव पर संकीर्तन का आयोजन, भजन सम्राट मचाएंगे धूम

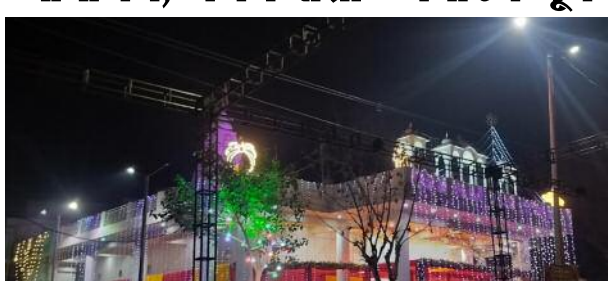

अनप्लग इंडिया

तावडू। नगर के रेवाड़ी रोड पर स्थित श्री श्याम बिहारी मंदिर धाम में श्री श्याम सरकार मित्र मंडल द्वारा आज गुरुवार को श्री श्याम जन्मोत्सव पर संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। जिसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम के आयोजक श्याम सरकार मित्र मंडल तावडू के प्रधान बंटी तंवर ने बताया कि नगर के रेवाड़ी रोड पर स्थित श्री श्याम बिहारी मंदिर में गुरुवार को रात्रि 7:15 बजे से प्रभु की इच्छा तक श्री श्याम जन्मोत्सव के अवसर पर संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। जिसमें गायक कलाकार अंजलि द्विवेदी नाथ नगरी बरेली, मुरली मनोहर शरण वृंदावन धाम, नितिन श्याम दीवाना फरीदाबाद, सन्नी मेहंदीरता तावडू भजन सम्राट बाबा श्याम के भजनों का गुणगान कर धूम मचाएंगे। वहीं इससे पहले समाजसेवी मुख्य अतिथि सुनील मंगला के द्वारा बाबा की ज्योत प्रज्वलित की जाएगी। जबकि विशिष्ट अतिथि हरियाणा कांग्रेस कार्यकारिणी अध्यक्ष जितेंद्र भारद्वाज, कांग्रेस गुरुग्राम ग्रामीण जिला अध्यक्ष वर्धन यादव व तावडू कांग्रेस खंड अध्यक्ष राजेश उर्फ रज्जू सहरावत द्वारा बाबा के जन्मोत्सव पर केक काटा जाएगा। श्री श्याम जन्मोत्सव को लेकर श्री श्याम बिहारी मंदिर को दुल्हन की तरह सजाया गया है। वहीं जिसके चलते सोमवार को श्रद्धालुओं द्वारा श्री श्याम बाबा की पूरे नगर में शोभायात्रा निकाली गई। जहां जगह-जगह लोगों द्वारा पुष्प वर्षा कर बाबा की शोभायात्रा का स्वागत किया गया। प्रधान बंटी तंवर ने नगर सहित क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि बाबा के श्री श्याम जन्मोत्सव व संकीर्तन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करें।

एनीमिया मुक्त भारत अभियान में हरियाणा देश में अव्वल, 89.2 एएमबी इंडेक्स के साथ हासिल किया पहला स्थान

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा ने एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत देशभर में पहला स्थान हासिल किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर 2026) की रिपोर्ट में राज्य ने 89.2 का एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) इंडेक्स प्राप्त किया है। यह राष्ट्रीय औसत 66.2 से काफी अधिक है। हरियाणा ने यह स्थान उत्तराखंड के साथ साझा किया है।

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग और शिक्षा विभाग के बीच बेहतर समन्वय तथा निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक, विशेषकर महिलाओं, किशोरियों और बच्चों को एनीमिया से मुक्त करना है।

पहली तिमाही के मुकाबले दूसरी तिमाही में बड़ी बढ़ोतरी

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, हरियाणा ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में



78.5 प्रतिशत के समग्र आईएफए कवरेज इंडेक्स के साथ देश में तीसरा स्थान हासिल किया था। अब दूसरी तिमाही में इसे बढ़ाकर 89.2 प्रतिशत कर दिया गया है। इस सुधार के साथ राज्य ने पहली रैंक प्राप्त की है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हरियाणा के मिशन डायरेक्टर डॉ. आर.एस. ढिल्लों ने बताया कि बच्चों, किशोरों और माताओं सहित सभी लाभार्थी वर्गों में आयरन एवं फोलिक एसिड (आईएफए) सप्लीमेंटेशन का कवरेज बढ़ा है।

किशोरों में 95 प्रतिशत तक पहुंचा कवरेज

दूसरी तिमाही में विभिन्न आयु वर्गों में आईएफए कवरेज में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। 6 से 59 महीने के बच्चों का कवरेज 78 प्रतिशत से बढ़कर 89.3 प्रतिशत हो गया। इसी तरह 5 से 9 वर्ष के बच्चों में यह आंकड़ा 77 प्रतिशत से बढ़कर 80.5 प्रतिशत पहुंच गया।

10 से 19 वर्ष के किशोरों में आईएफए कवरेज 74.1 प्रतिशत से बढ़कर 95 प्रतिशत दर्ज किया गया। स्तनपान कराने वाली माताओं का कवरेज भी 68.2 प्रतिशत से बढ़कर 86.1 प्रतिशत हो गया। वहीं, गर्भवती महिलाओं में 95 प्रतिशत का कवरेज बरकरार रहा।

100 दिवसीय अभियान में 3.56 लाख से अधिक हीमोग्लोबिन टेस्ट

प्रदेश में एनीमिया की रोकथाम और समय पर पहचान के लिए सरकार की ओर से विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर 2026 को अंबाला से 100 दिवसीय एनीमिया न्यूनीकरण अभियान की शुरुआत की गई थी।

स्टेट एनीमिया ट्रैकिंग पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार, अभियान के तहत अब तक पूरे प्रदेश में 3.56 लाख से अधिक हीमोग्लोबिन (एचबी) टेस्ट किए जा चुके हैं। अभियान में एनीमिया की जांच, समय पर उपचार, नियमित आईएफए सप्लीमेंटेशन और पोषण संबंधी परामर्श पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने प्रदेशवासियों से की अपील

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने इस उपलब्धि पर प्रदेशवासियों और स्वास्थ्यकर्मियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और सशक्त हरियाणा का निर्माण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। एनीमिया मुक्त हरियाणा के लक्ष्य को पूरा करने के लिए आमजन की भागीदारी भी जरूरी है। उन्होंने लोगों से समय-समय पर हीमोग्लोबिन की जांच करवाने, संतुलित एवं पौष्टिक आहार अपनाने और सरकार की ओर से निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही आयरन एवं फोलिक एसिड की गोलियों का नियमित सेवन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी और विभागीय समन्वय से ही एनीमिया मुक्त हरियाणा के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

संक्षिप्त डायरी

खोदाई से फूट रहीं पाइपलाइन, घरों में पहुंच रहा काला और बदबूदार पानी

अनप्लग इंडिया

आगरा। आगरा के एमजी रोड पर राजा की मंडी से सेंट जोंस के बीच पिछले 15 दिनों से घरों में गंगाजल की जगह काला और बदबूदार पानी पहुंच रहा है। स्थानीय लोगों ने मेट्रो निर्माण के दौरान पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से सीवर का पानी पेयजल में मिलने की आशंका जताई है। आगरा के एमजी रोड पर राजा की मंडी से सेंट जोंस के बीच घरों में गंदे, बदबूदार पानी की आपूर्ति हो रही है। 15 दिनों से घरों में गंगाजल की जगह सीवर पहुंच रहा है, जिससे लोगों में आक्रोश है। आसपास के रहने वालों ने बताया कि मेट्रो के निर्माण कार्य के कारण बार-बार सीवर लाइन क्षतिग्रस्त हो रही है, जिससे घरों में काला, बदबूदार सीवर पहुंच रहा है। स्थानीय निवासी और नेशनल चैंबर के पूर्व अध्यक्ष रहे प्रदीप वार्ष्णेय ने बताया कि पिछले 15 दिनों से नगर निगम की ओर से सप्लाई किए जाने वाले पीने के पानी में इतनी तेज बदबू आ रही है कि उसका उपयोग पीने या घरेलू कार्यों के लिए करना असंभव हो गया है। अंदेशा है कि सीवर का गंदा पानी पेयजल की पाइपलाइन में मिल रहा है। इस दूषित पानी के सेवन से क्षेत्र में गंभीर बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। उन्होंने जलकल महाप्रबंधक से पानी के नमूनों की गुणवत्ता की जांच करवाने और समस्या का स्थायी समाधान निकालने की पुरजोर मांग की है। क्षेत्रीय निवासी अशोक शर्मा ने बताया कि क्षेत्रीय पार्षद को भी समस्या बता चुके हैं लेकिन समाधान नहीं हुआ। उन्होंने मांग की कि जब तक स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति बहाल नहीं होती, तब तक वैकल्पिक व्यवस्था के तहत सुरक्षित पानी उपलब्ध कराया जाए। जलकल महाप्रबंधक कुमार गौरव ने बताया कि जोनल स्टेशन से स्वच्छ पानी की आपूर्ति हो रही है। उनके क्षेत्र में पानी किस कारण गंदा पहुंच रहा है, इसकी जांच के लिए टीम भेजी जाएगी।

सड़क किनारे मिला अज्ञात युवक का शव, 500 मीटर दूर स्कूटी बरामद; चाबी मिलने से उलझी गुत्थी

अनप्लग इंडिया

आजमगढ़ आजमगढ़ में हाईवे पर एक अज्ञात शव मिला। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हालांकि शव के पास कोई दस्तावेज न मिलने से पहचान नहीं हो सकी। आजमगढ़ जिले के बरदह थाना क्षेत्र के जिवली में प्रयागराज-गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार सुबह एक अज्ञात युवक का क्षत-विक्षत शव मिला। शव से करीब 500 मीटर दूर एक स्कूटी बरामद हुई। स्कूटी की चाबी शव के पास मिलने से घटना को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस प्रथम दृष्टया इसे सड़क हादसा मानकर जांच कर रही है। क्या है मामला बुधवार सुबह साधन सहकारी समिति के सामने सड़क किनारे करीब 30 वर्षीय युवक का शव पड़ा था। उसका सिर बुरी तरह कुचला हुआ था, जिससे पहचान करना मुश्किल हो रहा था। घटनास्थल के आसपास वाहनों के टायरों के निशान भी मिले। ग्रामीणों की सूचना पर थानाध्यक्ष चंद्रदीप कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से करीब 500 मीटर दूर मदन के घर के सामने खड़ी स्कूटी बरामद की। उसका पंजीकरण नंबर गुजरात का बताया गया। हैरानी की बात यह रही कि स्कूटी की चाबी शव के पास मिली। उसके पास से कोई पहचान पत्र या अन्य दस्तावेज नहीं मिले। थानाध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है। घटना सुबह चार से पांच बजे के बीच की बताई जा रही है। पुलिस ने शव और स्कूटी को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। स्कूटी के पंजीकरण के आधार पर उसके मालिक और मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।

उर्सला में बाहर की लिख रहे दवा, सर्जरी के नाम पर मांगे 12 हजार, अधीक्षक बोले- कमेटी बनाकर करेंगे जांच

अनप्लग इंडिया

कानपुर उर्सला अस्पताल में मरीजों से अवैध वसूली और बाहर की दवाएं लिखे जाने का गंभीर मामला सामने आया है। अमर उजाला की पड़ताल में पता चला कि मरीजों से सर्जरी के नाम पर 12 हजार रुपये और मरहम-पट्टी के भी पैसे मांगे जा रहे हैं, जिस पर चिकित्सा अधीक्षक ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। कानपुर के उर्सला अस्पताल में मरीजों की परेशानी कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है। अस्पताल में ओपीडी से लेकर भर्ती मरीजों को बाहर की दवाएं लिखी जा रही हैं। वहीं, अमर उजाला की पड़ताल में सर्जरी के नाम पर 12 हजार रुपये मांगे जाने का मामला भी सामने आया है। यहां रोगियों ने बताया कि मरहम पट्टी के भी रुपये मांगे जा रहे हैं। एक महिला तीमारदार ने मंगलवार को चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शैलेंद्र तिवारी से सर्जरी करने के नाम पर 12 हजार रुपये मांगे जाने की शिकायत की। आरोप लगाया कि अस्पताल में भर्ती रोगी भोलेशंकर के पेट में पानी भर गया है। सोमवार को भर्ती कराया था। उन्हें तेज दर्द हो रहा है। अब तक बाहर से दो हजार रुपये की दवाइयां खरीद चुके हैं। हमें नहीं पता कि वह डॉक्टर थी या स्टाफ मंगलवार सुबह एक महिला आई। हमें नहीं पता कि वह डॉक्टर थी या स्टाफ। उसने हमसे कहा कि 10 से 12 हजार रुपये का इंतजाम करिए, खर्च लगेगा। इस पर डॉ. शैलेंद्र तिवारी ने आश्वासन दिया कि सर्जरी निशुल्क होगी और रुपये मांगने वाली महिला के बारे में पता लगाकर कार्रवाई की जाएगी। तीन दिन की साढ़े चा सौ रुपये की दवा खरीदी बिल्हौर के वीरेंद्र सिंह ने बताया कि बेटी को पेट दर्द और बुखार है। डॉक्टर ने देखने के बाद बाहर की दवा लिख दी। पिछली बार भी बाहर की दवा लिख दी थी। वहीं, शुक्लागंज की रोशनी ने बताया कि मेरा हाथ टूट गया है। अस्पताल में बाहर से दवाइयां मंगाई जा रही हैं। तीन दिन की दवा साढ़े चार सौ रुपये की खरीदी हैं। 15 हजार रुपये हो चुके खर्च हमीरपुर के संतोष ने बताया कि मेरे पैर की दोनों हड्डियां टूट गई थीं। इलाज में 15 हजार रुपये खर्च हो चुके हैं। आज भी बाहर की दवा लिख दी। वहीं, फतेहपुर के सोनपाल सिंह परिहार ने बताया कि मैं बाइक से गिर गया था। पैर की हड्डी बाहर की ओर दिखने लगी है। इसके बाद भी डॉक्टर ने तीन हजार रुपये ले लिए। दवाएं भी बाहर की लिख दीं। यदि कोई भी डॉक्टर बाहर की दवाएं लिख रहा है, तो कमेटी बनाकर जांच की जाएगी।

बाराबंकी से स्मैक-गांजा लेकर पहुंचे थे, पुलिस के हत्थे चढ़े चार तस्कर, 'कपड़ा' कोडवर्ड से होता था खेल

एजेंसी

कानपुर पुलिस ने अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्कर गिरोह का पदार्फाश करते हुए चार तस्करों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से 127 ग्राम स्मैक और 10 किलो गांजा बरामद हुआ है। आरोपी बाराबंकी से नशीली खेप लाकर कानपुर के विभिन्न इलाकों के अलावा गोरखपुर और फैजाबाद तक सप्लाई करते थे।कानपुर में बाराबंकी से स्मैक और गांजे की खेप लेकर तस्करी करने वाले चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से 127 ग्राम स्मैक और 10 किलो गांजा बरामद हुआ है। पकड़े गए लोगों में बजरिया के कर्नलगंज निवासी आशु सोनकर उर्फ इलाहाबादी भी शामिल है। वह बाराबंकी से नशीले पदार्थ लाकर शहर के अलग-अलग इलाकों में सप्लाई करता था। उसके साथी रामचंद्र का नेटवर्क गोरखपुर, फैजाबाद समेत कई जिलों तक फैला था। पकड़े गए अन्य आरोपियों में बाराबंकी के रामनगर थाना क्षेत्र के सुधिया मऊ निवासी मुन्ना और जैतपुर निवासी रामचंद्र व मकसूद शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, आशु बाराबंकी से माल लाकर बिठूर, बारादेवी और चुन्नीगंज समेत कई इलाकों में पहुंचाता था। वहीं, रामचंद्र गोरखपुर, फैजाबाद और आसपास के जिलों के तस्करों के संपर्क में था। वह वहां भी नशीले पदार्थों की खेप भेजता था। आरोपियों के इनवर्ड और आउटवर्ड नेटवर्क की जांच तस्कर स्मैक को कोड भाषा में कपड़ा कहते थे। एक ग्राम स्मैक को एक मीटर बताकर उसका हिसाब रखते थे। एक ग्राम स्मैक से 12 से 14 पुड़िया तैयार कर प्रत्येक पुड़िया 300 रुपये या उससे अधिक में बेचते थे। नशे के कारोबार का भुगतान लेने के लिए कई बार सामुदायिक सेवा केंद्रों के जरिये रुपये मंगवाए जाते थे। इसके लिए खरीदारों को क्यूआर कोड भेजा जाता था।

जनशिकायतों के निपटारे में खराब प्रदर्शन पर पुलिस कमिश्नरेट में तबादला, युवा पुलिसकर्मियों को कमान

अनप्लग इंडिया



वाराणसी। पुलिस कमिश्वरेट में जनशिकायतों के निपटारे में खराब प्रदर्शन पर तबादला एक्सप्रेस चली। इस दौरान युवा पुलिसकर्मियों को थाने की कमान सौंपी गई। चार प्रभारी निरीक्षक पुलिस लाइन भेजे गए। छह थानाध्यक्ष भी बदले गए। वाराणसी में जनशिकायतों के निपटारे में खराब प्रदर्शन वाले प्रभारी निरीक्षक और दरोगा को फील्ड की तैनाती से हटा दिया गया है। युवा और तकनीकी रूप से मजबूत पुलिसकर्मियों को थाने में तैनाती दी गई है। पुलिस कमिश्नरेट में 201 प्रभारी निरीक्षकों और उपनिरीक्षकों का तबादला किया गया है। थाना प्रभारी भेलूपुर के दुर्गा सिंह, फूलपुर के अजय राज वर्मा, चोलापुर के सधुवन राम गौतम और लक्सा के राजू कुमार को पुलिस लाइन भेजा गया है। मंडुवाडीह, जंसा, सिगरा, सारनाथ, लोहता और रामनगर के भी थानाध्यक्ष बदले गए हैं। अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था एवं मुख्यालय शिवहरी मीणा ने 16 नवंबर को स्थापना बोर्ड के निर्णय के क्रम में स्थानांतरण आदेश जारी किया। इसके तहत काशी, वरुणा और गोमती जोन के साथ पुलिस लाइन में भी नई तैनाती की गई है। तबादला सूची के अनुसार, सबसे अधिक 80 उपनिरीक्षकों को वरुणा जोन भेजा गया है। वहीं, 69 उपनिरीक्षकों की तैनाती काशी जोन में की गई है। गोमती जोन में 14 दरोगाओं को भेजा गया है, जबकि 38 उपनिरीक्षकों को पुलिस लाइन में तैनात किया गया है। काशी जोन में वरुणा और गोमती जोन के थानों के साथ पुलिस लाइन से भी दरोगाओं को भेजा गया है। वरुणा में काशी जोन, पुलिस लाइन से उपनिरीक्षकों की तैनाती की गई है। गोमती जोन में भी काशी और वरुणा जोन के थानों से दरोगाओं को भेजा गया है। तकनीकी एक्सपर्ट और युवा उपनिरीक्षकों को फील्ड में तैनाती दी गई है। कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए फेरबदल किया गया है। शहर की कानून-व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाने तथा आम जनता की शिकायतों के त्वरित निस्तारण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट में एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। जनशिकायतों के निपटारे में खराब प्रदर्शन करने वाले थाना प्रभारियों और उपनिरीक्षकों पर गाज गिरी है। कमिश्नरेट प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए कुल 201 प्रभारी निरीक्षकों और उपनिरीक्षकों (दरोगाओं) के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। इस बड़े फेरबदल के तहत उन पुलिसकर्मियों को फील्ड की जिम्मेदारी से हटा दिया गया है, जिनका प्रदर्शन जनसुनवाई के मोर्चे पर संतोषजनक नहीं पाया गया था। वहीं, दूसरी ओर युवा, ऊर्जावान और तकनीकी रूप से दक्ष पुलिसकर्मियों को थानों की कमान सौंपकर फ्रंटलाइन पर तैनात किया गया है। अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था एवं मुख्यालय) शिवहरी मीणा द्वारा 16 नवंबर को स्थापना बोर्ड के निर्णय के क्रम में यह स्थानांतरण आदेश जारी किया गया है। इस आदेश के तहत न केवल थानों के प्रभारी बदले गए हैं, बल्कि काशी, वरुणा और गोमती जोन के साथ-साथ पुलिस लाइन में भी बड़े पैमाने पर नई तैनाती की गई है।चार थाना प्रभारी लाइन हाजिर, छह थानों के अध्यक्ष बदले कार्य में शिथिलता और शिकायतों के समयबद्ध निपटारे में विफल रहने के कारण चार प्रमुख थानों के प्रभारी निरीक्षकों को हटाकर सीधे पुलिस लाइन भेज दिया गया है। इनमें भेलूपुर के थाना प्रभारी दुर्गा सिंह, फूलपुर के अजय राज वर्मा, चोलापुर के सधुवन राम गौतम और लक्सा के राजू कुमार शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के छह अन्य महत्वपूर्ण थानों–मंडुवाडीह, जंसा, सिगरा, सारनाथ, लोहता और रामनगर के थानाध्यक्षों में भी फेरबदल किया गया है। प्रशासन के इस कदम से महकमे में हड़कंप मच गया है और यह स्पष्ट संदेश गया है कि जनता की समस्याओं के प्रति लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पुलिस कप्तान ने सैनिक सम्मेलन का आयोजन कर जानी परेशानियां



हमीरपुर (अनप्लग इंडिया)। पुलिस लाइन में सैनिक सम्मेलन आयोजित कर पुलिसकर्मियों की समस्याएं सुनी गईं एवं त्वरित निस्तारण हेतु दिए गए निर्देश। आज दिनांक 17.11.2026 को पुलिस अधीक्षक हमीरपुर द्वारा पुलिस लाइन परिसर में सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक सभी क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक/थाना प्रभारी एवं विभिन्न शाखाओं के प्रभारी उपस्थित रहे। सम्मेलन के दौरान पुलिस बल की कार्यकुशलता, अनुशासन, कर्तव्य निर्वहन एवं आमजन के प्रति व्यवहार को और अधिक प्रभावी एवं संवेदनशील बनाने पर बल दिया गया। साथ ही पुलिसकर्मियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनकर उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मुठभेड़ में बिल्लू इंदौरिया गैंग का बदमाश वाहिद अंसारी ढेर

अनप्लग इंडिया



लखनऊ। यूपी के अंबेडकरनगर में बुधवार भोर करीब ढाई बजे हुई पुलिस मुठभेड़ में कुख्यात सुपारी किलर वाहिद अंसारी मारा गया। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के शिवबाबा बैरियर पर मंगलवार देर रात चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से गाजीपुर निवासी बदमाश वाहिद घायल हो गया। उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वाहिद बिल्लू इंदौरिया गैंग का सदस्य था और सुपारी किलिंग के लिए कुख्यात था। उसका साथी अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर भाग गया। बदमाशों की फायरिंग में अकबरपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र सिंह और स्वाट टीम के मुख्य आरक्षी सोनू यादव घायल हो गए। वहीं, पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह और सर्विलांस प्रभारी विनोद यादव की बुलेटप्रूफ जैकेट पर भी गोली लगी। पुलिस के मुताबिक, 17 और 18 नवंबर की मध्यरात्रि शिवबाबा बैरियर पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान अहिरौली की तरफ से पल्सर बाइक पर सवार दो संदिग्ध आते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो पीछे बैठे बदमाश ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। इसमें प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र सिंह के बाएं हाथ में गोली लग गई। इसके बाद दोनों बदमाश बाइक से शिवबाबा मैदान की तरफ भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा करते हुए उन्हें आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन बदमाशों ने फायरिंग जारी रखी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में वाहिद घायल हो गया। उसे तत्काल अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। दूसरा बदमाश मौके से भाग निकला। पुलिस ने मौके से तीन .32 बोर की पिस्टल, एक नौ एमएम कार्बाइन, सात .315 बोर के तमंचे, छह खोखा कारतूस और 24 जीवित कारतूस बरामद किए हैं। इसके अलावा बिना नंबर प्लेट की घटना में प्रयुक्त पल्सर बाइक भी मिली है। मामले में अकबरपुर कोतवाली में मुकदमा अपराध संख्या 651/26 के तहत बीएनएस की धारा 109(1) और आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मृतक वाहिद पुत्र अबु बकर गाजीपुर जिले के बहरियाबाद थाना क्षेत्र का निवासी था। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ आजमगढ़, गाजीपुर, सुल्तानपुर, वाराणसी, गौतमबुद्धनगर और चंदौली में कुल 35 मुकदमे दर्ज थे। इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, रंगदारी, चोरी, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट के मामले शामिल हैं। वर्ष 2014 से 2023 तक उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में मुकदमे दर्ज हुए थे। एसपी समेत 12 पुलिसकर्मी थे टीम में शामिल मुठभेड़ के दौरान पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के साथ 12 पुलिसकर्मी शामिल थे। इनमें पीआरओ निरीक्षक जितेंद्र सिंह, अकबरपुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक आदर्श कुमार सिंह, रामप्रताप वर्मा और विनोद यादव समेत स्वाट और सर्विलांस सेल के पुलिसकर्मी शामिल रहे। बदमाशों की फायरिंग में प्रभारी निरीक्षक और मुख्य आरक्षी सोनू यादव को गोली लगी, जबकि एसपी और सर्विलांस प्रभारी की बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोली लगी। फरार बदमाश की तलाश की जा रही है।

पचास हजार की रंगदारी मांगने वाले गुनाहगार को तीन साल की सख्त सजा के साथ ही हुआ 14 हजार का जुमार्ना

हमीरपुर ((अनप्लग इंडिया)) राठ में 14 जून 2011 को पीड़ित के दरवाजे पर तमंचा लहराते हुए 50 हजार रुपये की रंगदारी मांगने के साथ ही गालीगलौज कर जान से मारने की धमकी देने के साथ ही जातिसूचक लफ्जों से अपमानित करने के मामले में राठ पुलिस ने अरुण कुमार की तहरीर पर राठ के सिकन्दरपुरा निवासी मुल्जिम ओमप्रकाश यादव पुत्र पूरनलाल उर्फ पुन्ना ,संतोष कुमार यादव पुत्र ओमप्रकाश यादव के खिलाफ मु0अ0सं0-853/2011 धारा-387,323,504,506 भा0द0सं0 सहित 3(1)10 एससीएसटी एक्ट व 2बी/12 द0प्र0क्षे0 एक्ट के तहत 14 जून 2011 को दर्ज किया गया था, जबकि आपरेशन कन्विक्शन के तहत एससीएसटी अदालत के स्कालर जज रनवीर सिंह ने मुल्जिम ओमप्रकाश यादव को गुनाहगार मानते हुये तीन



साल की सख्त सजा के साथ ही सुनाया 14 हजार का जुमार्ना। मामले की जांच सीओ शील कुमार ने पूरी करते हुये अदालत में चार्जशीट दाखिल करदी थी, जबकि मामले की दमदार पैरवी करते हुये विशेष लोक अभियोजक विजय सिंह ने मुल्जिमों को अदालत से सख्त सजा देने की मांग की थी।

टेंट हाउस के गोदाम में लगी भीषण आग, तीसरी मंजिल पर फंसे कर्मचारी; कपड़े के सहारे कूदकर बचाई जान

अनप्लग इंडिया



मऊ। मऊ में एक टेंट हाउस के गोदाम में आग लग गई। जिसमें तीसरी मंजिल पर चार कर्मचारी फंस गए। किसी तरह कपड़े के सहारे कूदकर उन्होंने अपनी जान बचाई। वहीं कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। मऊ जिले के सरायलखंसी थाना क्षेत्र के पुरानी तहसील स्थित एक टेंट हाउस के गोदाम में मंगलवार देर रात अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। आग की लपटें गोदाम के भवन की तीसरी मंजिल से उठीं और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इस अग्निकांड में गोदाम में रखा टेंट, बिस्तर और सजावट का लाखों रुपये का सामान जलकर पूरी तरह राख हो गया। तीसरी मंजिल से कपड़े के सहारे उतरे कर्मचारी घटना के समय गोदाम के भीतर चार कर्मचारी मौजूद थे। आग और धुएं के गुबार इतनी तेजी से फैले कि चारों कर्मचारी तीसरी मंजिल पर फंस गए और उनकी जान पर बन आई। नीचे उतरने का कोई रास्ता न बचता देख कर्मचारियों ने सूझबूझ का परिचय दिया और छत से कपड़ा बांधकर उसके सहारे नीचे छलांग लगा दी, जिससे उनकी जान बच सकी। गोदाम से उठती ऊंची लपटों और काले धुएं को देखकर आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घनी आबादी वाला क्षेत्र होने के कारण पड़ोस के घरों में भी आग फैलने की आशंका से लोग दहशत में आ गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल बाल्टी और सबमर्सिबल पंप की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां और थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल आग लगने के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल सका है, हालांकि प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर नुकसान के आकलन और घटना की जांच में जुटी है।

अतीक के शूटर के रिश्तेदार समेत तीन गिरफ्तार, एक करोड़ की स्मैक बरामद

अनप्लग इंडिया



प्रयागराज। शहर में अपराध और नशे का गठजोड़ एक बार फिर सामने आया है। नीरज वाल्मीकि हत्याकांड में जेल जा चुका आरोपी अब करोड़ों की स्मैक के साथ पकड़ा गया है। पुलिस ने तीन आरोपियों के कब्जे से 515 ग्राम स्मैक बरामद की है। शहर में नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए फाफामऊ पुलिस और गंगानगर जोन की सर्विलांस टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 515 ग्राम स्मैक बरामद हुई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1.03 करोड़ रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपियों में माफिया अतीक अहमद के शूटर अख्तर का रिश्तेदार सनाउल्लाह उर्फ रानू भी शामिल है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी प्रयागराज से लेकर गाजियाबाद समेत कई शहरों में नशे का नेटवर्क चला रहे थे। डीसीपी गंगानगर सोनम कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग मलाक हरहर स्थित एक कार्यालय के पास स्मैक की बड़ी खेप लेकर आने वाले हैं। इस पर पुलिस और सर्विलांस टीम ने घेराबंदी कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान पुराना कटरा निवासी सनाउल्लाह उर्फ रानू, मनोज बारी और धूमनगंज के हरवारा निवासी मोहम्मद कैफ के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि स्मैक की खेप धूमनगंज के ताड़बाग इलाके से लाई जाती थी। बरामद खेप को गाजियाबाद भेजने की तैयारी थी। आरोपियों ने पूछताछ में लकी नाम के व्यक्ति का भी नाम लिया है। उसे एक दिन पहले ही कैंट पुलिस ने 10 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा था। वहीं, दो दिन पहले धूमनगंज के ताड़बाग में पुलिस आयुक्त पीयूष मोर्डिया ने भी कार्रवाई करते हुए एक महिला को गिरफ्तार किया था। पुलिस अब इन सभी मामलों के बीच संभावित कड़ियों और नशे के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस के मुताबिक, सनाउल्लाह उर्फ रानू वर्ष 2018 में कैंट क्षेत्र में हुए नीरज वाल्मीकि हत्याकांड में जेल जा चुका है। नीरज वाल्मीकि छोटा राजन गिरोह का शूटर था। दुर्गा पूजा पंडाल के भीतर उसकी बम और गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस के अनुसार, मनोज बारी पर आठ और रानू पर 15 प्राथमिकी दर्ज हैं। दोनों के खिलाफ दो बार गैंगस्टर की कार्रवाई भी हो चुकी है। दोनों कर्नलगंज थाने के हिस्ट्रीशीटर बताए गए हैं। दो हिस्ट्रीशीटरों के नशे के कारोबार में शामिल होने के खुलासे ने पुलिस की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं। सिविल लाइंस निवासी होटल कारोबारी संतोष गुप्ता और उनके परिवार को अज्ञात मोबाइल नंबरों से जान से मारने की धमकी मिली है। आरोप है कि फोन करने वाले खुद को बांग्लादेशी-पाकिस्तानी आतंकी संगठनों से जुड़ा बताकर धमकी दे रहे हैं। साथ ही उनके परिवार के सदस्यों के नाम अतीक अहमद से जोड़कर जेल भिजवाने की धमकी देते हैं। सिविल लाइंस पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफआईआर के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से अलग-अलग नंबरों से कारोबारी और उनके कर्मचारियों के पास कॉल आ रही हैं। फोन करने वाले कभी खुद को प्रतापगढ़, प्रयागराज तो कभी छिंदवाड़ा के जंगलों का निवासी बताते हैं। होटल और कार्यालय का पता बताकर वहां पहुंचने और सभी को मार डालने की बात कहते हैं। धमकाने वाले खुद को नक्सली, माफिया और बांग्लादेशी-पाकिस्तानी आतंकी संगठनों से जुड़ा बताते हैं। छिंदवाड़ा के जंगलों में लोगों की हत्या करने और अतीक अहमद से जुड़े लोगों के माध्यम से झूठे मुकदमे में फंसाने की बात भी कही जाती है। कर्मचारियों को उनके नाम लेकर डराया जा रहा है। परिवार की महिलाओं के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के साथ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने की धमकी दी है। पीड़ित ने पुलिस को कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग, व्हाट्सएप संदेशों के स्क्रीनशॉट और संदिग्ध नंबरों का ब्योरा सौंपा है। सिविल लाइंस थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है।



साई पल्लवी के सपोर्ट में उतरे धनुष

नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में सीता का किरदार निभाने को लेकर साई पल्लवी लगातार चर्चा में हैं। फिल्म में उनकी कास्टिंग को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। अब अभिनेता धनुष ने साई पल्लवी का समर्थन करते हुए उनकी जमकर तारीफ की है। उन्होंने साई की भक्ति, व्यक्तित्व और एक्टिंग की तारीफ करते हुए उनके सीता के किरदार को लेकर हो रही आलोचना पर सवाल उठाए हैं। दरअसल, धनुष और साई पल्लवी जल्द ही फिल्म 'ओम' में एक साथ नजर आने वाले हैं। दोनों करीब नौ साल बाद साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने फिल्म 'मारी 2' में साथ काम किया था। फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान धनुष ने साई पल्लवी के साथ काम करने का अनुभव साझा किया और उनकी तारीफ की।

इवेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें धनुष साई पल्लवी के सीता बनने को लेकर हो रही चर्चाओं पर बात करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि साई के किरदार को लेकर इतना शोर क्यों मचाया जा रहा है। धनुष ने बताया कि शूटिंग के दौरान भी साई ब्रेक के समय लगातार भगवान की प्रार्थना किया करती थीं। धनुष ने कहा, 'उनके सीता के किरदार को लेकर इतनी बातें और चर्चाएं हो रही हैं। मुझे समझ नहीं आता कि ऐसा क्यों है। शूटिंग के दौरान शॉट्स के बीच मिलने वाले ब्रेक में भी वह लगातार प्रार्थना करती रहती थीं। अगर आप पूरे भारत में भी तलाश करेंगे, तो आपको उनके जैसी दूसरी सीता नहीं मिलेगी। वह भगवान के प्रति गहरी आस्था रखने वाली और बेहद साफ दिल की इंसान हैं। वह बेहद खूबसूरत हैं और एक शानदार कलाकार भी हैं।'

नौ साल में साई पल्लवी में आया बड़ा बदलाव

धनुष ने साई पल्लवी के साथ अपनी पहली फिल्म 'मारी 2' को भी याद किया। उन्होंने बताया कि उस समय साई काफी शांत स्वभाव की थीं और बहुत कम बोलती थीं। वह कुछ भी कहने से पहले काफी सोचती थीं। हालांकि, नौ साल बाद फिल्म 'ओम' के सेट पर उनसे दोबारा मिलकर धनुष उनके बदले हुए अंदाज को देखकर हैरान रह गए। उन्होंने कहा, 'जब मैं पहली बार 'मारी 2' के दौरान साई पल्लवी से मिला था, तब वह बहुत मासूम थीं और काफी कम बोलती थीं। कुछ भी कहने से पहले सोचती थीं और बात करने में भी हिचकिचाती थीं। लेकिन नौ साल बाद इस फिल्म के सेट पर उनसे मिला, तो वह पूरी तरह बदली हुई नजर आईं। वह सिनेमा की कला में पूरी तरह माहिर हो चुकी थीं। उनके बोलने के अंदाज, चलने के तरीके और एक्सप्रेशंस में एक अलग ही आत्मविश्वास और ठहराव दिखाई दे रहा था। यह देखकर मैं हैरान रह गया।'

मुश्किल किरदार को साई ने हिम्मत के साथ निभाया

धनुष ने अपनी आने वाली फिल्म 'ओम' में साई पल्लवी के काम की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि फिल्म में उनका किरदार निभाना आसान नहीं था, लेकिन साई ने इसे पूरी हिम्मत के साथ स्वीकार किया और शानदार अभिनय किया। धनुष के मुताबिक, 'इस किरदार को निभाना बिल्कुल आसान नहीं है। साई पल्लवी ने इसे बहुत हिम्मत और साहस के साथ स्वीकार किया और शानदार परफॉर्मेंस दी।'

'ओम' में साई पल्लवी ने निभाया ये किरदार

बता दें कि फिल्म 'ओम' में धनुष और साई पल्लवी एक बार फिर साथ नजर आएंगे। फिल्म में ममूटी भी अहम भूमिका में हैं। साई पल्लवी फिल्म में नित्या रेड्डी नाम की सीबीआई अधिकारी का किरदार निभा रही हैं, जो लाल चंदन की अवैध तस्करी के मामले की जांच करती हैं। वहीं, नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर भगवान राम, यश रावण, रवि दुबे लक्ष्मण और सनी देओल भगवान हनुमान की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का पहला पार्ट 5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुआ था, जबकि इसका दूसरा पार्ट 2028 में रिलीज होने वाला है।



पहला टेस्ट आज से



'फाइनल में पहुंचना है तो आराम के दायरे से बाहर निकलना होगा'

मोर्कल ने कहा कि भारत को डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने के लिए अब खुद को पहले से ज्यादा चुनौती देनी होगी। टीम को ऐसे काम करने के लिए तैयार रहना होगा, जो शायद उसने पहले नहीं किए हैं। उन्होंने खास तौर पर तेज गेंदबाजों के लंबे स्पेल और अतिरिक्त ओवर करने की जिम्मेदारी का जिक्र किया। मोर्कल ने कहा, 'फाइनल में पहुंचने के लिए हमें अब खुद को थोड़ा और आगे बढ़ाना होगा। हमें अपने सहज दायरे से बाहर निकलकर ऐसी स्थिति में जाना होगा, जहां शायद हम पहले कभी नहीं गए हैं। अगर किसी मौके पर टीम को जरूरत हो कि कोई गेंदबाज दो या तीन ओवर अतिरिक्त करे, हवा के विपरीत गेंदबाजी करे और मुश्किल जिम्मेदारी निभाए, तो हमें इसके लिए तैयार रहना होगा।'

वेलिंगटन की हवा और न्यूजीलैंड का निचला क्रम भी चुनौती

न्यूजीलैंड दौरे पर वेलिंगटन की तेज हवाएं भी भारतीय गेंदबाजों के लिए चुनौती बन सकती हैं। मोर्कल के मुताबिक, दोनों टीमों को इन परिस्थितियों का सामना करना होगा।

ऐसे में खिलाड़ियों को मजबूत मानसिकता के साथ मैदान पर उतरना होगा। उन्होंने कहा कि किसी एक छोर से गेंदबाज को जिम्मेदारी उठानी होगी और खिलाड़ियों की बॉडी लैंग्वेज ऐसी होनी चाहिए कि वे लगातार गेंदबाजी करने के लिए तैयार दिखें। इसके अलावा मोर्कल ने न्यूजीलैंड के निचले क्रम को भी भारत के लिए अहम चुनौती बताया।

WTC फाइनल के लिए भारत को क्या करना होगा?: मोर्कल ने सिराज-बुमराह से इस चुनौती से निपटने को कहा; और क्या बोले?

वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज सिर्फ एक द्विपक्षीय मुकाबला नहीं है, यह आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 के फाइनल की दौड़ में भारत के लिए अपनी स्थिति मजबूत करने का बड़ा मौका भी है। फिलहाल न्यूजीलैंड अंक तालिका में शीर्ष पर है, जबकि भारतीय टीम चौथे स्थान पर है। ऐसे में भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने टीम को फाइनल तक पहुंचने का एक अहम मंत्र दिया है। उनका मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों को अब अपने सहज दायरे से बाहर निकलकर ज्यादा मेहनत करनी होगी। जरूरत पड़ने पर तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त ओवर करने और मुश्किल परिस्थितियों में भी टीम के लिए जिम्मेदारी उठाने को तैयार रहना होगा।



गेंदबाजी संयोजन को लेकर मोर्कल को पूरा भरोसा

सीरीज से पहले भारतीय टीम के तेज गेंदबाजी संयोजन को लेकर भी चर्चा है। जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, अंशुल कंबोज और हाल ही में टीम में शामिल किए गए गुरनूर बराड़ जैसे विकल्प मौजूद हैं। ऐसे में प्लेइंग-11 चुनना टीम प्रबंधन के लिए चुनौती हो सकता है। हालांकि, मोर्कल को उपलब्ध गेंदबाजों की क्वालिटी पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि टीम जिस भी गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेगी, उसमें 20 विकेट लेने की क्षमता है। उन्होंने कहा, 'गौतम (गंभीर) को मेरा फीडबैक यही था कि इस दौरे पर हम जिस भी गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेंगे, हमारे पास 20 विकेट लेने के लिए पर्याप्त क्षमता है। मुझे इस पर भरोसा है। हर गेंदबाज में अलग तरह की खूबी है और सभी कुशल हैं। मेरा मानना है कि सभी खेलने के लिए तैयार हैं।' मोर्कल ने सिराज को विश्वस्तरीय प्रदर्शन करने वाला गेंदबाज बताया। उन्होंने कहा कि जब भी सिराज को भारतीय टीम की जर्सी में मौका मिला है, उन्होंने खुद को साबित किया है।



पिछले नतीजों की निराशा पीछे छोड़ना चाहता है भारत

मोर्कल ने स्वीकार किया कि हाल के टेस्ट नतीजों से भारतीय ड्रेसिंग रूम में निराशा रही है। उनके मुताबिक, टीम कुछ अहम खिलाड़ियों के जाने के बाद अपनी लय तलाश रही थी। हालांकि, आगामी दो टेस्ट को लेकर खिलाड़ियों के बीच बातचीत सकारात्मक रही है।

उन्होंने कहा कि टीम को पता है कि वह इससे बेहतर क्रिकेट खेल सकती है और अगले 10 से 13 दिनों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए सभी में मजबूत इच्छाशक्ति है। भारत ने डब्ल्यूटीसी के पहले दो फाइनल खेले थे और अब 2027 में द ओवल में होने वाले फाइनल में वापसी करना चाहेगा। इसके लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट भारत के अभियान में अहम साबित हो सकते हैं।

फ्रेंडली मैच में अर्जेंटीना ने कोस्टा रिका को 7-0 से हराया

ब्यूनस आयर्स। निको पाज, जूलियन अल्वारेज और फ्रैंको मास्टैंटुओनो के दो-दो गोल की मदद से अर्जेंटीना ने एक मैत्री मैच में कोस्टा रिका को 7-0 से हरा दिया। कोस्टा रिका ने एक तिहाई से भी कम पजेशन पर कंट्रोल किया। टीम मुश्किल से अपने अटैकिंग थर्ड में घुस पाई। गेम शुरू होने के सिर्फ सात मिनट बाद, पाज ने पेनल्टी एरिया के किनारे पर एक रिबाउंड पर झपट्टा मारा और एक शानदार



फिनिश के साथ पहला गोल किया। गोल के बाद के मिनट पूरी तरह से लियोनेल स्कालोनी की टीम के कंट्रोल में थे, जिन्होंने मिडफील्डर्स के बीच बॉल को मूव किया और विंग्स से अटैक करने की कोशिश की। इसके बावजूद, कोस्टा रिका ने एक काउंटर-अटैक के बाद कप्तान एमिलियानो मार्टिनेज को एक शानदार सेव करने पर मजबूर कर दिया। बाद में, लगभग 30 मिनट के बाद, नेशनल टीम ने एक और अच्छा अटैकिंग खेल दिखाया। कुछ देर बाद, एन्जो फर्नांडीज की एक शानदार थ्रू बॉल और गिया के विंग से नीचे दौड़ने के बाद, जूलियन अल्वारेज को पास मिला और उन्होंने मैच का दूसरा गोल किया। फिर, पाज ने एक सोलो रन बनाया, एक डिफेंडर को पीछे छोड़ते हुए, अंदर कट करते हुए, और एक जोरदार शॉट मारा जो पैट्रिक सेक्वेरा को छकाते हुए टॉप कॉर्नर में चला गया। पहला हाफ 4-0 के साथ समाप्त हुआ। दूसरे हाफ के तीन मिनट बाद, फ्रैंको मास्टैंटुओनो ने पास के पोस्ट पर गोलकीपर को पीछे छोड़ते हुए एक लो शॉट मारा, जिससे अर्जेंटीना के लिए उनका दूसरा और पांचवां गोल हुआ।

दूसरे हाफ के बीच में, नेशनल टीम ने बॉल पर कब्जा बनाए रखा और विंग्स से अटैक किया। इसके बाद एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने पेनल्टी एरिया में दो डिफेंडरों को छकाते हुए छठा गोल किया। गेम के आखिर में, मास्टैंटुओनो ने फिर से गोल किया। गिउलिआनो शिमोन के साथ वन-टू के बाद, मिडफील्डर ने सटीकता से गोल करके 7-0 की जीत पक्की कर दी।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने बनाई एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह, बेन शेल्टन को हराया

ट्यूरिन। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने राउंड-रॉबिन मुकाबले में बेन शेल्टन को हराकर साल 2026 के एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। जर्मन खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शेल्टन को 6-2, 7-6(4) से हराया। एक घंटे और 34 मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत के साथ ही उन्होंने अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली। ज्वेरेव इस प्रतिष्ठित सीजन-एंडिंग टूर्नामेंट में नौवीं बार हिस्सा ले रहे हैं। इससे पहले, उन्होंने 2018 में



लंदन में और 2021 में ट्यूरिन में ट्रॉफी जीती थी। एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, 2018, 2019, 2021 और 2024 के बाद यह पांचवीं बार है जब वह इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। शेल्टन, जो लगातार दूसरे साल इस सीजन-फिनाले में खेल रहे हैं, अब जॉन मैकेनरो ग्रुप में 1-1 की स्थिति में हैं। अमेरिकी खिलाड़ी ने रविवार को आर्थर फिल्स को हराकर एटीपी फाइनल्स में अपनी पहली जीत दर्ज की थी। अब उनका ध्यान गुरुवार को राफेल जोडार के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर है।

लगातार दो दिनों की तेजी के बाद फिर गिरा बाजार, सेंसेक्स 752 अंक फिसला, निफ्टी मेटल में सबसे ज्यादा बिकवाली

मुंबई। लगातार दो दिनों की बढ़त के बाद तीसरे कारोबारी सत्र (बुधवार) में भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। इस बीच, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल और ऑटो शेयरों में गिरावट आई, जिसके चलते प्रमुख बेंचमार्क 0.60 प्रतिशत से ज्यादा लुढ़क गए। बाजार बंद होने के समय, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 500.38 अंक यानी 0.61 प्रतिशत गिरकर 82,031.81 पर पहुंच गया, तो वहीं एनएसई निफ्टी 50 159.45 अंक यानी 0.63 प्रतिशत गिरकर 25,227.95 पर बंद हुआ।

दिन के कारोबार में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 82,532.19 से 751.72 अंक या 0.91 प्रतिशत फिसलकर 81,780.47 के इंट्रा-डे लो पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 25,387.40 से 245.6 अंक या 0.96 प्रतिशत लुढ़ककर 25,141.80 के दिन के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान, निफ्टी 50 इंडेक्स में टाइटन कंपनी, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी लाइफ, बीएसई लिमिटेड और बजाज फाइनेंस टॉप लूजर्स में शामिल रहे, जबकि एसबीआई, सिप्ला, टाटा कंज्यूमर, आईटीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई।

व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 1.2 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.35 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं सेक्टरवार देखें तो निफ्टी मेटल में सबसे ज्यादा 2.46 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके बाद निफ्टी ऑटो, निफ्टी आईटी में 1 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। वहीं निफ्टी रियल्टी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सीमेंट में भी गिरावट आई।

एक मार्केट एक्सपर्ट ने बताया कि अमेरिकी एफओएमसी के मिनट्स जारी होने से पहले फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की आक्रामक टिप्पणियों ने ब्याज दरों में और बढ़ोतरी की उम्मीदों को बल दिया है, जिसके परिणामस्वरूप डॉलर में आई मजबूती ने सोने जैसी गैर-लाभकारी संपत्तियों पर दबाव डाला और वैश्विक कमोडिटी कीमतों पर भी असर डाला। घरेलू यील्ड में भी बढ़ोतरी हुई, जिससे हाल के उच्च स्तर के करीब मुनाफावसूली शुरू हो गई क्योंकि उच्च यील्ड ने इक्विटी मूल्यांकन पर दबाव डाला, जबकि कच्चे तेल की नरमी और विदेशी निवेश ने रुपए की मजबूती को बनाए रखा।

एक्सपर्ट ने आगे कहा कि क्षेत्रीय रूप से, लंबे समय तक उच्च ब्याज दर के दृष्टिकोण ने ब्याज दर के प्रति संवेदनशील उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और ऑटोमोबाइल पर दबाव डाला, जबकि कमोडिटी कीमतों में नरमी के कारण धातुओं में अधिक गिरावट दर्ज की गई। आईटी क्षेत्र में भी गिरावट आई क्योंकि एनवीडिया के परिणामों ने एआई-आधारित पारंपरिक सेवाओं में व्यवधान की चिंताओं को और मजबूत किया, साथ ही रुपए की मजबूती ने भी इसमें योगदान दिया। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता और आकर्षक मूल्यांकन के कारण लाभ कमाया, जबकि रक्षात्मक शेयरों में निवेश बढ़ने से फार्मा और स्वास्थ्य सेवा शेयरों में तेजी आई।

आईसीसी रैंकिंग: टॉम बैंटन ने लगाई लंबी छलांग

अर्शदीप को मिला न्यूजीलैंड के खिलाफ दमदार प्रदर्शन का इनाम

दुबई। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन का इनाम अर्शदीप सिंह को आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में मिला है। वह 12 स्थान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की रैंकिंग में संयुक्त रूप से 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इस हफ्ते गेंदबाजी रैंकिंग में सबसे ज्यादा सुधार करने वाले खिलाड़ियों में अर्शदीप शामिल हैं। अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाज राशिद खान 50 ओवर के फॉर्मेट में दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी भी 15 स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 12वें नंबर पर आ गए हैं, जबकि उनके साथी खिलाड़ी काइल जैमीसन 15 स्थान ऊपर चढ़कर 45वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, इंग्लैंड के बल्लेबाज टॉम बैंटन को भी ताजा रैंकिंग में फायदा पहुंचा है। उन्होंने एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में जीत दिलाने वाली शतकीय पारी खेली थी। बैंटन ने 99 गेंदों पर 121 रन बनाए, जो उनका दूसरा वनडे शतक था। उनकी इस पारी की मदद से इंग्लैंड ने सीरीज में बराबरी की और वह बल्लेबाजी रैंकिंग में 34 स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके साथी खिलाड़ी जो रूट भी टॉप 10 में वापस आ गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में अर्धशतक लगाने के बाद रूट दो स्थान ऊपर चढ़कर नौवें नंबर पर पहुंच गए हैं। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल वनडे में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं।



इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने भी वनडे गेंदबाजों की टॉप 10 सूची में वापसी की है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे मैचों में एक-एक विकेट लेने के बाद, वह चार स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर आ गए हैं। इस बीच, शारजाह में जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के बीच खेली गई कड़े मुकाबले वाली टेस्ट सीरीज (जिसे जिम्बाब्वे ने 2-0 से जीता) के बाद, दोनों टीमों के खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी काफी सुधार हुआ है।

टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को सबसे ज्यादा फायदा हुआ। उन्होंने दूसरे और निर्णायक टेस्ट मैच में छह विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, जिससे वह पांच स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 16वें नंबर पर आ गए हैं। स्पिनर ग्रीम क्रेमर भी छह स्थान की छलांग लगाकर 65वें नंबर पर आ गए हैं। बल्लेबाजों की रैंकिंग में जिम्बाब्वे के ओपनर इनोसेंट काइया 20 स्थान की छलांग लगाकर 50वें नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि अनुभवी ब्रेंडन टेलर 40 स्थान ऊपर चढ़कर 62वें नंबर पर आ गए हैं। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर नसीर मारूफखिल ने अपने टेस्ट डेब्यू में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच की पहली पारी में शतक लगाया और सात विकेट लिए। पुरुषों के टेस्ट क्रिकेट में ऐसा कारनामा करने वाले वह केवल चौथे खिलाड़ी बने।

संक्षिप्त समाचार

लंदन में भिड़े बांग्लादेशी: शेख हसीना समर्थकों और एनसीपी कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प, कई गंभीर घायल

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की राजनीतिक पार्टियों की लड़ाई अब देश की सरहदों को भी पार कर गई है। दरअसल सोमवार को बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना और एनसीपी नेता नाहिद इस्लाम के समर्थकों में लंदन में हिंसक झड़प हो गई। इस झड़प में कई लोग घायल हुए हैं और चार घायलों की हालत गंभीर बताई गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, नाहिद इस्लाम इन दिनों लंदन के दौरे पर हैं, जहां वे विभिन्न कार्यक्रमों में पार्टी समर्थकों को संबोधित करेंगे। सोमवार शाम को लंदन के मेफेयर वेन्यू में भी नाहिद इस्लाम की पार्टी का कार्यक्रम था। एनसीपी ने फेसबुक पर साझा एक पोस्ट में बताया कि शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के समर्थक भी वेन्यू के बाहर इकट्ठा हो गए और एनसीपी के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। एनसीपी का आरोप है कि अवामी लीग के समर्थकों ने एनसीपी समर्थकों पर हमला किया, जिसके बाद दोनों तरफ से हिंसक झड़प शुरू हो गई।

घंटों टीवी देखते हैं तो सावधान! किडनी को पहुंच सकता बड़ा नुकसान, डायबिटीज मरीजों के लिए खतरा ज्यादा

लंदन, एजेंसी। खाली समय में टीवी देखना भले ही मनोरंजन का आसान तरीका हो, लेकिन घंटों तक स्क्रीन के सामने बैठे रहने की आदत आपकी किडनी की सेहत पर भारी पड़ सकती है। क्योंकि लंबे समय तक टीवी देखने की आदत सिर्फ आंखों और वजन पर ही असर नहीं डालती, बल्कि इसका संबंध किडनी की सेहत से भी हो सकता है। मेडिकल जर्नल साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि जो लोग रोजाना अधिक समय टीवी देखने में बिताते हैं, उनमें किडनी की कार्यक्षमता तेजी से घटने का जोखिम अधिक हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया, जापान, ब्रिटेन समेत कई देशों के वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन में लंबे समय तक टीवी देखने और किडनी की सेहत के बीच संबंधों का विश्लेषण किया। करीब 12 वर्षों तक प्रतिभागियों की किडनी की कार्यक्षमता में होने वाले बदलावों पर नजर रखी गई। इसमें अधिक समय तक टीवी देखने वाले लोगों में किडनी की कार्यक्षमता में गिरावट का संबंध सामने आया। अध्ययन में सबसे अहम बात यह सामने आई कि टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित लोगों में लंबे समय तक टीवी देखने और किडनी की कार्यक्षमता घटने के बीच संबंध अधिक मजबूत पाया गया। दरअसल, डायबिटीज का असर केवल ब्लड शुगर तक सीमित नहीं रहता। लंबे समय तक रक्त में शुगर का स्तर बढ़ा रहने से किडनी की छोटी रक्त वाहिकाएं क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। इससे किडनी की खून को छानने और शरीर से अपशिष्ट पदार्थ बाहर निकालने की क्षमता धीरे-धीरे प्रभावित होने लगती है। ऐसे में डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए शारीरिक गतिविधि बनाए रखना और लंबे समय तक लगातार बैठे रहने से बचना बेहद जरूरी है। रिसर्च के मुताबिक, लंबे समय तक टीवी देखने का मतलब अक्सर लगातार बैठे रहना है। शारीरिक गतिविधि कम होने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

देश में विमानों की भारी कमी, 1000 और नए विमान खरीदने की तैयारी में भारत: पीयूष गोयल

काहिरा , एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत में नागरिक विमानों की भारी कमी है और हवाई यातायात की मांग पूरी करने के लिए 1,000 और विमानों का ऑर्डर देने की तैयारी है। गोयल ने यह भी कहा कि विमानों की जल्द आपूर्ति के लिए स्थापित विमान निर्माताओं से लगातार संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, हमें हवाई संपर्क बढ़ाने की जरूरत है। जैसे-जैसे हमें और विमान मिलेंगे, हमें विश्वास है कि हम मिस्र के लिए और अधिक उड़ानें शुरू कर सकेंगे। गोयल भारत और मिस्र के बीच व्यापार एवं निवेश बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए हैं। फिलहाल इजिप्टएयर भारत और मिस्र के बीच सीधी उड़ानों का संचालन करती है। गोयल के मुताबिक, भारत फिलहाल विमानों की भारी कमी का सामना कर रहा है। गोयल ने कहा, हम 1,200 से अधिक विमानों का ऑर्डर दे चुके हैं और 1,000 और विमानों का ऑर्डर देने को तैयार हैं। हमारी जरूरतें पूरी करने के लिए हमें 2,000 से अधिक विमानों की आवश्यकता है। इसलिए हम जल्द आपूर्ति के लिए स्थापित विमान निर्माताओं से संपर्क कर रहे हैं। इस बीच, गोयल ने सोमवार को मिस्र के प्रधानमंत्री मुस्तफा मदबूली से मुलाकात की।

ऐसे बयान भारत की प्रगति और भारतीय लोकतंत्र के प्रति उनकी नफरत ही है

आर्थिक आपदा वाले बयान पर बीजेपी ने किया राहुल गांधी पर पटलवार

नई दिल्ली , एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर दिए गए बयान ने देश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। राहुल गांधी ने अपनी टिप्पणी में कहा था कि भारत आर्थिक आपदा की कगार पर खड़ा है। उनके इस बयान पर बीजेपी ने कड़ा रुख अपनाते हुए तीखा हमला बोला और उन पर विदेशी धरती से भारतीय लोकतंत्र और देश की छवि को धूमिल करने का आरोप लगाया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी के इस बयान की आलोचना करते हुए बीजेपी नेता प्रदीप भंडारी ने कहा कि भारत की प्रगति और भारतीय लोकतंत्र के प्रति उनकी नफरत ही है, जिसकी वजह से वे जब भी विदेश जाते हैं, तो भारत के बारे में बुरा-भला कहते हैं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब पूरी दुनिया मानती है कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और भारतीय लोकतंत्र का दुनिया भर में सम्मान है। भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी ने हर बार विदेश जाकर भारत के खिलाफ बोला है!...एक जिम्मेदार विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी खुद एक आपदा हैं!

राहुल गांधी के बयान पर निशाना साधते हुए पश्चिम बंगाल के मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि भारत में राहुल गांधी की कोई बात नहीं सुनता, इसलिए वे विदेश जाकर ऐसी बातें करते हैं। घोष ने कहा कि एक अंधे व्यक्ति को दिन में भी अंधेरा ही दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है और पिछले 12 सालों से लोग खुश हैं। केवल सत्ता के भूखे लोग ही दुखी हैं।

बता दें राहुल गांधी ने कहा कि भारत एक गंभीर आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है, जिसका कारण व्यापक बेरोजगारी और देश की शिक्षा प्रणाली को लेकर गहरी चिंताएं हैं। कोलंबिया यूनिवर्सिटी में एक सभा को संबोधित



करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि सीधी बात यह है कि भारत एक आर्थिक आपदा के मुहाने पर खड़ा है। यही हकीकत है। आप इसे नजरअंदाज कर सकते हैं, मीडिया भी इसे नजरअंदाज कर सकता है, लेकिन भारत में बेरोजगारी की एक बहुत बड़ी समस्या है। भारत की शिक्षा प्रणाली में भी एक बहुत बड़ी समस्या है।

दिल्ली में ढहती इमारतें: जानलेवा लापरवाही का सिलसिला

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में इमारतों के ढहने का जानलेवा सिलसिला जारी है। मंगलवार सुबह पूर्वी दिल्ली के शाहदरा स्थित ज्वाला नगर में रेलवे लाइन के पास एक करीब 40 साल पुराना दो मंजिला मकान अचानक भरभराकर गिर गया। इस दर्दनाक हादसे में मलबे में दबने से तीन साल के मासूम देवांश और 35 वर्षीय पिंटू की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह घटना राजधानी में पुराने और असुरक्षित भवनों की निगरानी व्यवस्था पर फिर गंभीर सवाल खड़े करती है। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले छह महीनों में दिल्ली में इमारतों के ढहने के सात बड़े हादसे सामने आए हैं, जिसमें 30 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। लगातार हो रही घटनाओं से प्रशासन की जर्जर भवनों की पहचान, उनकी मरम्मत या उन्हें खाली कराने की व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। ज्वाला नगर में गिरी इमारत करीब चार दशक पुरानी थी और जानकारी के अनुसार, मकान मालिक ने लंबे समय से इसकी मरम्मत नहीं की थी। बताया गया कि करीब 700 गज की जमीन पर बने इस परिसर में 30 कमरे थे और करीब 70 किरायेदार रहते थे, जो इमारत की क्षमता और उसकी मौजूदा स्थिति को लेकर संदेह पैदा करता है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह इमारत नगर निगम की खतरनाक भवनों की सूची में शामिल नहीं थी। उत्तर-पूर्वी निगम जोन के अधिकारी ने पुष्टि की कि भवन निगम के रिकॉर्ड में खतरनाक इमारत के तौर पर दर्ज नहीं था, जिससे भवनों के सर्वे और निगरानी की प्रभावशीलता पर सीधा सवाल खड़ा होता है। राजधानी में तेजी से बढ़ती आबादी और सीमित आवासीय विकल्पों के कारण पुराने मकानों में बड़ी संख्या में किरायेदार मजबूरन रह रहे हैं। कई जगह भवनों में जरूरत से ज्यादा कमरे बनाकर किराये पर दिए जाते हैं।

अयोध्या और नेपाल के जनकपुर के बीच नई ट्रेन सेवा का होगा शुभारंभ

- पीएम मोदी और बालेन शाह दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी अयोध्या को बिहार के सीतामढ़ी से होकर नेपाल के जनकपुर धाम से जोड़ने वाली नई साप्ताहिक ट्रेन सेवा को मंजूरी दे दी है। इस महत्वपूर्ण ट्रेन का शुभारंभ 23 नवंबर को होने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह संयुक्त रूप से ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। माना जा रहा है कि यह सेवा नेपाल के प्रधानमंत्री शाह की भारत यात्रा के दौरान शुरू होगी, जो मार्च में पदभार संभालने के बाद उनकी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा होगी।



यह ट्रेन अयोध्या कैंट और जनकपुर धाम के बीच करीब 604 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या को माता सीता से जुड़े स्थल जनकपुर और सीतामढ़ी से जोड़ने वाले मार्ग से तीर्थयात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। अपने सफर के दौरान यह ट्रेन कुल 10 प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी, जिसमें उत्तर प्रदेश के अयोध्या धाम, मनकापुर, बस्ती और गोरखपुर तथा बिहार के नरकटियागंज, रक्सौल, सीतामढ़ी, शिशो, मधुबनी और जयनगर शामिल हैं। इसके बाद यह ट्रेन जयनगर के रास्ते नेपाल में प्रवेश कर जनकपुर धाम पहुंचेगी। रेलवे के तय कार्यक्रम के अनुसार, यह ट्रेन हर सोमवार को अयोध्या कैंट से रवाना होगी और वापसी में हर शनिवार को जनकपुर धाम से चलेगी। भारतीय रेलवे का मानना है कि इस सीमा पार ट्रेन सेवा के शुरू होने से तीर्थयात्रियों, पर्यटकों के साथ-साथ पढ़ाई, व्यापार और काम के सिलसिले में आने-जाने वाले लोगों के लिए यात्रा बेहद सुगम हो जाएगी। इस रूट पर स्थित दोनों देशों के प्रमुख शहरों में पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों को भी नया बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

महाराष्ट्र कैबिनेट के महत्वपूर्ण फैसले: शिक्षा, सुरक्षा और न्याय पर व्यापक प्रभाव

मुंबई , एजेंसी । मुंबई में महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें राज्य के गृह, उच्च व तकनीकी शिक्षा, वस्त्र उद्योग और विधि व न्याय विभागों से संबंधित कई बड़े निर्णय लिए गए।

इन फैसलों में, सुरक्षा बलों से नक्सलियों द्वारा लूटे गए हथियारों की जानकारी देने वालों के लिए नकद इनाम योजना शुरू करने का अहम फैसला शामिल है। इस पहल का उद्देश्य ऐसी गुप्त सूचनाओं को प्रोत्साहित करना है, जिससे राज्य में आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर सके।

इसके अलावा, राज्य में उच्च और तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए महाराष्ट्र पब्लिक यूनिवर्सिटीज एक्ट, 2016 में संशोधन को मंजूरी दी गई। यह बदलाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षा क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों को ध्यान में रखकर किए जाएंगे, जिससे महाराष्ट्र में शिक्षा के स्तर को नई दिशा मिल सकेगी।

वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, कैबिनेट ने राज्य की इंटीग्रेटेड और सस्टेनेबल टेक्सटाइल इंडस्ट्री पॉलिसी में भी संशोधन को स्वीकृति दी। इस निर्णय के तहत, पालघर जिले को अब जोन-1 में शामिल किया जाएगा, जबकि जोन-4 को रद्द कर विस्तार के नियमों में भी बदलाव किए जाएंगे। इन संशोधनों से पालघर में वस्त्र संबंधी व्यापार और निवेश को गति मिलने की उम्मीद है।

न्यायिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, कैबिनेट ने पालघर जिले में प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस कोर्ट के साथ-साथ चीफ मजिस्ट्रेट कोर्ट स्थापित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। इसके अतिरिक्त, पालघर में सरकारी वकीलों के कार्यालय और उनसे संबंधित सहायक पदों के सृजन को भी हरी झंडी दिखाई गई है। इन फैसलों से पालघर जिले में न्यायिक प्रशासन मजबूत होगा और आम लोगों को स्थानीय स्तर पर त्वरित न्याय मिल सकेगा।

पंजाब चुनाव: शिअद से गठबंधन पर केंद्रीय नेतृत्व करेगा फैसला : पाटिल

नई दिल्ली, एजेंसी । केंद्रीय जल शक्ति मंत्री और भाजपा के पंजाब चुनाव प्रभारी सी आर पाटिल ने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय जनता पार्टी 2027 में पंजाब विधानसभा चुनाव जीतेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के साथ संभावित गठबंधन का निर्णय पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व करेगा, न कि वे स्वयं। केंद्रीय मंत्री पाटिल का यह बयान तब आया है जब 2027 के चुनावों के लिए भाजपा और शिअद के फिर से साथ आने की अटकलें तेज हैं। दोनों दलों का 24 साल पुराना गठबंधन सितंबर 2020 में तीन कृषि कानूनों के विरोध में टूट गया था, हालांकि अब वे कानून निरस्त हो चुके हैं।

अपने पंजाब दौरे के दौरान, केंद्रीय मंत्री



पाटिल ने चंडीगढ़ स्थित भाजपा कार्यालय का दौरा किया, जहां उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों, सांसद सतनाम सिंह संधू सहित कई अन्य प्रमुख नेता मौजूद थे। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की पश्चिम बंगाल और बिहार जैसे राज्यों में चुनावी सफलताओं का हवाला देकर दावा किया कि पार्टी पंजाब में भी जीत हासिल करेगी।

गठबंधन की संभावनाओं पर केंद्रीय मंत्री पाटिल ने कहा, यह फैसला पार्टी नेताओं को करना है। हमारे नेता इस बारे में निर्णय लेने वाले है। उन्होंने कहा कि वह सिर्फ एक कार्यकर्ता हैं और गठबंधन को लेकर शिअद के साथ किसी भी बैठक की जानकारी उन्हें नहीं है। उन्होंने शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के साथ किसी भी बातचीत से इंकार कर कहा कि अगर कोई बातचीत होनी है, तब वह पार्टी के वरिष्ठ नेता करने वाले हैं, इसमें उनकी कोई दखल नहीं है।

राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताकर केंद्रीय मंत्री पाटिल ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधकर कहा कि पंजाब के लोग मौजूदा हालात से वाकिफ हैं और इस सरकार से छुटकारा पाना चाहते हैं। करतारपुर गलियारे को फिर से खोलने के मुद्दे पर उन्होंने प्रधानमंत्री के पूर्व प्रयासों की सराहना की और विश्वास जताया कि भविष्य में भी सभी की भावनाओं का सम्मान किया जाएगा।

तीन देशों में गोपनीय अभियान: इस्राइल ने 40 साल तक खोजा अपना पायलट, ईरानी जनरल का अपहरण कर की हत्या

इस्राइल, एजेंसी। इस्राइल ने करीब चार दशक पहले लापता हुए अपने एक पायलट को खोजने के लिए लेबनान, सीरिया और ईरान तक खुफिया अभियानों का जाल फैलाया था। इस मिशन में ईरान के दो सैन्य अधिकारियों का अपहरण किया गया। इनमें से एक को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया, जबकि दूसरे की हत्या कर शव समुद्र में फेंकने का दावा किया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इतने खतरनाक अभियानों के बावजूद इस्राइल अपने पायलट का पता नहीं लगा सका। अब इन गुप्त कार्रवाइयों से जुड़े नए खुलासों ने पूरे मामले को फिर चर्चा में ला दिया है। यह पूरा अभियान इस्राइली वायुसेना के पायलट रॉन अराद की तलाश से



जुड़ा था। वह 16 अक्टूबर 1986 को दक्षिणी लेबनान के ऊपर उड़ान भरते समय विमान में धमाका होने के बाद पैराशूट से नीचे उतरे थे। उस समय उनकी उम्र 28 साल थी। इसके बाद लेबनान के शिया मिलिशिया संगठन अमल ने उन्हें पकड़ लिया। शुरुआत में संगठन ने उनकी रिहाई के बदले करोड़ों डॉलर और कैदियों को छोड़ने की मांग की थी, लेकिन बाद में उनका कोई पता नहीं चला। ईरान लेबनान के शिया संगठनों का बड़ा समर्थक था, इसलिए इस्राइल को शक था कि अराद को ईरान ले जाया गया है। सितंबर 2021 में इस्राइली खुफिया अधिकारियों ने सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरानी कमांडर जनरल अब्दुल्ला साबेरी को निशाना बनाया। वह राजनयिक इलाके में सुबह की सैर पर निकले थे। इसी दौरान पहले से घात लगाकर बैठे एजेंटों ने उन्हें दबोच लिया और बेहोश करके फ्रिज के एक बड़े डिब्बे में बंद कर दिया। इसके बाद उन्हें वहां से उठा लिया गया। जनरल साबेरी ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के अनुभवी अधिकारी थे। इस्राइली एजेंट उनसे केवल रॉन अराद के बारे में जानकारी हासिल करना चाहते थे। लंबी पूछताछ और प्रताड़ना के बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग की एक सड़क पर छोड़ दिया गया। ईरानी जनरल अलीरेजा असगरी दिसंबर 2006 में तुर्किये के इस्तांबुल स्थित एक होटल से अचानक लापता हो गए थे। करीब दो दशक तक उनकी गुमशुदगी एक रहस्य बनी रही। अब सामने आए दावों के मुताबिक, मोसाद के एजेंटों ने रॉन अराद के बारे में जानकारी जुटाने के लिए उनका अपहरण किया था। उन्हें एक नाव पर ले जाकर कई हफ्तों तक पूछताछ की गई। जब उनसे अराद के बारे में कोई उपयोगी जानकारी नहीं मिली तो उनकी हत्या कर दी गई।

एनवीडिया: जेनसन हुआंग की कंपनी में बतौर सीईओ वापसी मुश्किल, रिपोर्ट में दावा- बोर्ड का ऐसा कोई विचार नहीं

वाशिंगटन , एजेंसी। ऐसा दावा किया जा रहा था कि जेनसन हुआंग की एनवीडिया के सीईओ पद पर वापसी हो सकती है और इसके लिए कई तकनीकी दिग्गज समर्थन जुटा रहे हैं। हालांकि अब एक रिपोर्ट में इन दावों को खारिज कर दिया गया है और कहा गया है कि बोर्ड जेनसन हुआंग की सीईओ के तौर पर वापसी को लेकर विचार नहीं कर रहा है।

जेनसन हुआंग की वापसी का किया गया था दावा : फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एनवीडियो का नेतृत्व करने के लिए जेनसेन हुआंग की सीईओ पद पर वापसी हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया कि कई तकनीकी दिग्गज हुआंग की वापसी के लिए समर्थन जुटा रहे हैं। हुआंग कंपनी में वापसी के लिए अपने भरोसेमंद लोगों से बात कर रहे हैं। वहीं एनवीडिया का बोर्ड उनके मामले की जांच कर रहा है। हुआंग के एक करीबी ने फाइनेंशियल टाइम्स को बताया कि उनकी बहाली के लिए लॉबिंग करने की तैयारी है और इसके लिए एक नेटवर्क बनाया जा रहा है, जिसमें व्हाइट हाउस से भी मदद मांगी गई है। जो टेक दिग्गज जेनसन हुआंग को पसंद करते हैं, वे इस कैंपेन का समर्थन कर रहे हैं। दावा किया गया कि कई कर्मचारियों ने भी हुआंग की वापसी का समर्थन किया और एक ओपन लैटर पर अपने साइन किए।

अमेरिकी सरकार में ही इसे लेकर विरोधाभास : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एनवीडिया सीईओ के पद पर हुआंग की वापसी



के समर्थन में है। सोमवार को मनीला में 49वें आसियान सम्मेलन में शामिल होने के लिए रवाना होने से पहले रिपोर्टर्स से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि हुआंग की सीईओ पद पर वापसी से उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि एनवीडिया के सह-संस्थापक ने सबक सीख लिया है। हालांकि ट्रंप के ही वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने अलग राय जाहिर की। उन्होंने कहा कि एनवीडिया को बदलाव की जरूरत है और कंपनी को एक बाहरी एग्जीक्यूटिव चाहिए। बेसेंट ने ये भी सवाल उठाया कि क्या हुआंग ने चीन में चिप्स की कथित तस्करी की तरफ से अपनी आंखें मूंदी हुई थी?

चीन की कथित जासूस एलिस हुआंग के साथ रिश्तों के चलते जेनसन हुआंग ने 33 साल एनवीडिया के सीईओ पद पर रहने के बाद बीती 12 नवंबर को पद छोड़ दिया था। हुआंग के विवाहेतर संबंधों की जांच चल रही है। आरोप है कि हुआंग ने प्रतिबंधित एआई चिप्स बीजिंग भेजे थे। जेनसन हुआंग के एनवीडिया हेल्थकेयर की वाइस प्रेसीडेंट किम्बर्ली पॉवेल के साथ भी कथित तौर पर रिश्ते थे।

बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण की बढ़ी मुश्किलें: चटगांव से ढाका जेल शिफ्ट

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण ब्रह्मचारी को चटगांव सेंट्रल जेल से ढाका सेंट्रल जेल स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्हें सोमवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच चटगांव से ढाका ले जाया गया। इस अचानक हुए स्थानांतरण को लेकर उनके वकीलों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि चिन्मय कृष्ण लिवर की गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं और खानपान में विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। ढाका जेल में उनकी जरूरत के मुताबिक भोजन की व्यवस्था नहीं होने से उनकी सेहत को लेकर चिंता बढ़ गई है।

चिन्मय कृष्ण के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि उनके आध्यात्मिक नेता सख्त शाकाहारी हैं और वैष्णव परंपरा का पालन करते हैं। वह अपना भोजन खुद बनाकर ही खाते हैं। चटगांव जेल में उनके साथ बंद एक अन्य आरोपी रंगनाथन ब्रह्मचारी उन्हें भोजन तैयार करने में मदद करते थे।

वकील बोले- ढाका जेल में सिर्फ फल खाकर रह रहे : अपूर्व कुमार भट्टाचार्य के मुताबिक, चिन्मय कृष्ण को लिवर की गंभीर बीमारी है। ऐसे में वह किसी भी तरह का भोजन नहीं कर सकते। चटगांव जेल में उन्हें खाने-पीने की सुविधा मिल रही थी, लेकिन



ढाका सेंट्रल जेल में यह व्यवस्था उपलब्ध नहीं है।

वकील ने दावा किया कि ढाका जेल पहुंचने के बाद से वह केवल फल खाकर गुजारा कर रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि अगर उन्हें उनकी जरूरत के मुताबिक भोजन और सुविधाएं नहीं मिलीं तो उनकी जान को खतरा हो सकता है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चिन्मय कृष्ण को सोमवार सुबह ढाका ले जाया गया था। उन्हें लेकर जाने वाला वाहन सुबह करीब 10 बजे ढाका सेंट्रल जेल पहुंचा। कौन हैं चिन्मय कृष्ण दास, क्यों हुई थी गिरफ्तारी? चिन्मय कृष्ण दास बांग्लादेश में सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता रहे हैं। उन्हें 25 नवंबर 2024 को ढाका से गिरफ्तार किया गया था। यह गिरफ्तारी राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान से जुड़े राजद्रोह के मामले में हुई थी। इससे पहले 31 अक्तूबर 2024 को चटगांव के चांदगांव पुलिस थाने के अंतर्गत मोहड़ा वार्ड बीएनपी के तत्कालीन महासचिव फिरोज खान ने चिन्मय कृष्ण समेत 19 लोगों के खिलाफ कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया था। बाद में बीएनपी ने फिरोज खान को उनके पद से हटा दिया था।

वकील की हत्या के मामले में भी आरोपी हैं चिन्मय कृष्ण : 26 नवंबर 2024 को चिन्मय कृष्ण दास की जमानत सुनवाई को लेकर चटगांव कोर्ट परिसर में हिंसक झड़प हुई थी। इस दौरान वकील सैफुल इस्लाम की कथित तौर पर पीटकर और धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद उनके पिता जमाल उद्दीन ने 31 लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया था। इसके अलावा पुलिस पर हमला करने, सरकारी काम में बाधा डालने, वकीलों और न्याय मांगने पहुंचे लोगों पर हमले तथा विस्फोटक फेंकने से जुड़े पांच अन्य मामले भी दर्ज किए गए थे। 1 जुलाई 2025 को जांच अधिकारी ने चटगांव की अदालत में चिन्मय कृष्ण दास समेत 38 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। इसके बाद शिकायतकर्ता ने आरोपपत्र पर असहमति जताते हुए नाराजी याचिका दायर की। 25 अगस्त 2025 को अदालत ने सुकांत दत्ता समेत 39 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र स्वीकार कर लिया। फिलहाल इस मामले में चटगांव डिविजनल स्पीडी ट्रायल ट्रिब्यूनल में गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

नेक्सटऐज मीडिया एंड कांलटिंग प्राइवेट लिमिटेड के लिए, प्रकाशक, संपादक अनीता यादव द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी मेसेर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85 सेक्टर-06 201301 से मुद्रित कराकर 962 सरफाबाद सेक्टर-73, नोएडा-201304 से प्रकाशित किया,
प्रधान संपादक : रिंकू यादव संपादक : अनीता यादव PRGI No. UPHIN/26/A8255 Ph. : 4403949, Email : unplugindia26@gmail.com